प्रयागराज, रविवार 25 मई 2025 से शनिवार 31 मई 2025 तक
वर्ष-14, अंक-21
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ
14वर्ष
संघर्ष कि यात्रा

वर्ष-14 अंक-21 | प्रयागराज, रविवार 25 मई 2025 से शनिवार 31 मई 2025 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

19.05.2025

20.05.2025

21.05.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

22.05.2025

23.05.2025

24.05.2025

यूपी में फिर हुए अफसरों के तबादले, 27 पुलिस उपाधीक्षक इधर से उधर, मुख्यालय से पीटीएस तक लिस्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में तबादलों का सिलसिला जारी है। एक बार फिर पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। शुक्रवार को जारी तबादला लिस्ट के मुताबिक, करीब 27 पुलिस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। कानपुर देहात में पुलिस उपाधीक्षक रहे देवेंद्र सिंह प्रथम को पुलिस उपाधीक्षक पीटीएस सुल्तानपुर बना दिया गया है। साथ ही अमित कुमार पांडेय को पुलिस उपाधीक्षक पीटीएस जालौन और अभिषेक प्रताप अजेय को पुलिस उपाधीक्षक कन्नौज बनाया गया है। इसी तरह नईम खान मंसूरी को पुलिस उपाधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान उप्र. लखनऊ, गणेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक आरटीसी चुनार मिर्जापुर, संत प्रसाद उपाध्याय को पुलिस उपाधीक्षक प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त, अवनीश कुमार गौतम को सहायक सेनानायक 6वीं वाहिनी पीएसी मेरठ और राकेश प्रताप सिंह को पुलिस उपाधीक्षक कुशीनगर की जिम्मेदारी दी गई है।आशुतोष मिश्रा को पुलिस उपाधीक्षक प्रतापगढ़, उदय प्रताप सिंह प्रथम को सहायक सेनानायक 42वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज, अरुण कुमार राय प्रथम को पुलिस उपाधीक्षक झांसी, सुरेंद्रनाथ यादव को पुलिस उपाधीक्षक एवं स्टाफ अफसर अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन और अमित चौरसिया को कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। तबादलों के क्रम में नरेश कुमार को मंडलाधिकारी (वीके) गाजियाबाद, अमित प्रताप सिंह को पुलिस उपाधीक्षक एएनटीएफ उप्र लखनऊ, मनोज कुमार सिंह को पुलिस उपाधीक्षक संभल और सिंह दीपशिखा अहिबरन को सहायक सेनानायक 28वीं वाहिनी पीएससी इटावा की जिम्मेदारी सौंप गई है। सोहराब आलम को पुलिस उपाधीक्षक रेलवे झांसी, सौरभ कुमार वर्मा को पुलिस उपाधीक्षक कानपुर देहात, आदित्य कुमार गौतम को सहायक सेनानायक 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ और कर्ण सिंह यादव को सहायक सेनानायक 33वीं वाहिनी पीएससी झांसी बनाया गया है।अंबुजा त्रिवेदी को पुलिस उपाधीक्षक आभिसूचना मुख्यालय लखनऊ, अंकित कुमार द्वितीय को पुलिस उपाधीक्षक सीआईडी मुख्यालय लखनऊ, गौरव कुमार त्रिपाठी और अशोक कुमार सिंह चतुर्थ को पुलिस उपाधीक्षक मुरादाबाद बनाया गया है। कमलेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक अलीगढ़ और अंकित कुमार प्रथम को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त बनाया गया है।

30 साल में मई में दूसरी बार लू नदारद, लखनऊ में आज धूप-छांव की स्थिति, पूर्वी हवाओं के चलते उमस परेशान कर रही

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पिछले 30 साल में दूसरी बार मई के महीने में लू नदारद है। मौसम सुहाना है। 2021 में भी ठीक ऐसे ही मई में गर्मी के तेवर ढीले थे। इस बार भी पारे में उतार-चढ़ाव के साथ मई का अब तक दौर नरमी भरा ही है। कई दिन अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम दर्ज किया गया है। बूंदाबांदी और पूर्वा हवाओं के असर से मई में कई दिन तो मॉनसून के दिनों जितने ठंडे रहे।मौसम विभाग का कहना है कि मौसमी बदलाव के असर से अभी आने वाले दो हफ्ते तक औसत साप्ताहिक तापमान सामान्य से नीचे रहने वाला है। यह सामान्य बात नहीं है। आगे 25 मई से 2 जून के नौतपा की अवधि में भी गर्मी के तेवर ढीले ही रहने के आसार हैं। बृहस्पतिवार को दिन का अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 6.3 डिग्री कम रहा। रात का पारा 22 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 3 दशकों में मई के महीने में सबसे कम अधिकतम तापमान 2021 में 29 मई को 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। साल 2022 में 22 मई को सबसे कम अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री दर्ज हुआ था। उसके बाद साल 2023 में 2 मई को दिन का सबसे कम अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस था।लखनऊ में फिलहाल धूप-छांव की स्थिति बनी हुई है। सुबह बादल छाए हुए थे। पूर्वी हवा की वजह से मौसम में नर्मी है, लेकिन उमस परेशान कर रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज शहर में दिनभर आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। दिन का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव हुआ है।22 मई को लखनऊ का अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 6.3 डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.5 डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 59फ़ीसदी दर्ज किया गया, जिससे उमस का अहसास हुआ। बारिश नहीं हुई, लेकिन अगले 24 घंटों में स्थिति बदलने की संभावना है।मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कि राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके अलावा, 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। खासकर, पेड़ों के नीचे खड़े होने, असुरक्षित इमारतों के पास जाने और बिजली के खंभों से दूर रहने को कहा गया है। तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने या बिजली आपूर्ति में रुकावट की आशंका भी जताई गई है। लखनऊ के लोगों को सलाह दी जाती है कि वे घर से बाहर निकलते समय छाता या रेनकोट साथ रखें। बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव और ट्रैफिक की समस्या हो सकती है। किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी फसलों को सुरक्षित करें, क्योंकि तेज हवाएं और बारिश फसलों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मौसम में बदलाव से गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

काशी में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर साड़ी बनाई.., राफेल, ब्रह्मोस को उकेरा, कारोबारी बोला- कर्नल सोफिया को गिफ्ट दूंगा

वाराणसी। वाराणसी में 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर कलाकारों ने साड़ी तैयार की है। 6 मीटर की इस साड़ी पर ब्रह्मोस मिसाइल, राफेल और एस-400 जैसे हथियारों को उकेरा गया है। कारोबारी विकास ने बताया- मैं यह साड़ी बेचूंगा नहीं, चाहे कोई मुझे पांच करोड़ रुपए ही क्यों न दे। उन्होंने कहा कि साड़ी को कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को भेंट करेंगे। इसके लिए पीएमओ को लेटर लिखा है। मैंने साड़ी की तस्वीरें और वीडियो भेजे हैं। अनुमति मिलते ही साड़ी को भेज दिया जाएगा। साड़ी को तैयार करने में एक सप्ताह का समय लगा। पांच लोगों की टीम ने इसके डिजिटल प्रिंट पर काम किया।महमूरगंज निवासी साड़ी कारोबारी विकास ने बताया- जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तभी मुझे विचार आया कि मैं एक साड़ी बनाऊं, जो देश के वीर जवानों के साहस को दर्शाती हो। यह साड़ी केवल और केवल सेना के जवानों के लिए है। यह साड़ी अनमोल है। अभी सिर्फ दो पीस तैयार किए हैं। मैं इसे अपनी दोनों बहनोंकर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को भेंट करूंगा।

हड्डी के डॉक्टरों का जमावड़ा, आपने एक्सपीरियंस किये शेयर

प्रयागराज। आज आर्थोपेडिक सर्जन का सेमिनार आर्थोप्लास्टी मीट-2025 हो रहा है। यूपी आर्थोपेडिक एसोसिएशन और इंडियन आर्थोप्लास्टी एसोसिएशन इसका आयोजन कर रहा है। इसमें विभिन्न शहरों के नामचीन आर्थोपेडिक सर्जन शामिल हुए। आयोजन सचिव डॉ. मनीषी बंसल ने बताया कि यह आयोजन अध्यक्ष डॉ. केडी त्रिपाठी और डॉ. कपिल कुलश्रेष्ठ के मार्गदर्शन व वैज्ञानिक अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. डीसी श्रीवास्तव के संरक्षण में आयोजित हो रहा। यह प्रमुख डॉक्टर जो होंगे शामिल मैक्स हॉस्पिटल, नई दिल्ली से डॉ. अनिल अरोड़ा, डॉ. सीएस यादव, डॉ. विजय कुमार, डॉ रवि मित्तल एम्स नई दिल्ली, डॉ राजकुमार नटेसन गंगा अस्पताल कोयंबटूर, डॉ अनिल थॉमस सीएमसी वेल्लोर, डॉ संजीव जैन मुंबई ,डॉ देवब्रत पाढ़ी भुवनेश्वर आर्थोपेडिक सर्जरी में प्रमुख नाम है।

योगी बोले-पाकिस्तान बहुत जी लिया:अब उसका समय आ गया,चांदी का मुकुट पहनकर गदा लहराई

अयोध्या। सीएम योगी ने कहा- हमें समय रहते मित्र और शत्रु को पहचानना होगा। जिस तरह चतुराई और विवेक से हनुमान जी ने कालनेमि को पहचान लिया था। पाकिस्तान ने 75 वर्ष तक बहुत जी लिया। अब उसका समय आ गया है। वह अपने कर्मों से समाप्त हो जाएगा। 2017 से पहले संत देश में यात्रा पर जाते थे, तो लोग सम्मान का भाव नहीं रखते थे। आज कही भी अयोध्या का नाम लेंगे तो लोग आपको सम्मान देंगे। अयोध्या का नाम सुनते ही लोगों में सम्मान आ जाता है। अयोध्या राममंदिर अस्तित्व को ढूंढ रही थी। हम लोगों ने कसम खाई थी कि राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में कही। सीएम ने हनुमानगढ़ी में नवनिर्मित 5000 लोगों की क्षमता वाले हनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण किया। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास महाराज ने सीएम योगी को चांदी का मुकुट पहनाया और गदा देकर स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा-75 साल बहुत जी लिया पाकिस्तान। अब वो अपने किए की सजा पा रहा है। पाकिस्तान खुद आतंकवाद से पीड़ित है। उसने धर्म पूछकर छोटे बच्चे को गोली मारी थी। कानपुर के शुभम की दो माह पहले शादी हुई थी। उसे उसकी पत्नी के सामने मार डाला। उसने 24 लोगों की हत्या की। इसके बाद हमारे जवानों ने 24 के बदले 124 आतंकवादी मार गिराए। पाकिस्तान का अपना कोई अस्तित्व नहीं है। उसका आध्यात्मिक जगत में कोई स्थान नहीं है। हम अपने देश और धर्म के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

'राजा कोलंदर' को उम्रकैद की सजा, लखनऊ कोर्ट का फैसला शव का मांस खाता और खोपड़ी का सूप बनाकर पीता था

प्रयागराज। लखनऊ एडीजे कोर्ट ने नरभक्षी राम निरंजन उर्फ राजा कोलंदर और उसके साथी बक्षराज को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों पर ढाई-ढाई लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। राजा कोलंदर और बच्छराज कोल ने 2000 में 22 साल के मनोज सिंह और उनके ड्राइवर रवि श्रीवास्तव की अपहरण के बाद हत्या कर दी थी। इसी केस में कोलंदर और बच्छराज को 19 मई को कोर्ट ने दोषी करार दिया था और आज सजा सुनाई है। राजा कोलंदर और उसके साले बच्छराज को इससे पहले पत्रकार धीरेंद्र सिंह की हत्या के मामले में 2012 में इलाहाबाद कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। राजा कोलंदर पर 14 से ज्यादा हत्या के केस दर्ज हैं। वह लोगों का खून कर उनके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े कर देता था। मरने वाले की खोपड़ी से भेजा निकाल कर उसे उबाल कर सूप बनाकर पीता था। राजा कोलंदर प्रयागराज नैनी के शंकरगढ़ स्थित हिनौता गांव का रहने वाला है। उसे नर पिशाच कहा जाता है।राजा कोलंदर ने 23 जनवरी 1999 को 1400 रुपए में लखनऊ के नाका हिंडोला से प्रयागराज जाने के लिए पत्रकार मनोज सिंह की टाटा सूमो बुक की थी। ड्राइवर रवि श्रीवास्तव के साथ मनोज भी साथ में गए थे। राजा कोलंदर दोनों को सीधे बरगढ़ जंगल ले गया। वहीं, पर उन्हें मार डाला। मनोज के परिजन ने लखनऊ के नाका हिंडोला थाने में दोनों की गुमशुदगी दर्ज कराई। उसके बाद दोनों के शव जंगल से बरामद हुए। उनके शरीर नग्न थे। राजा कोलंदर गिरफ्तार नहीं हुआ था।राजा कलंदर का असली नाम राम निरंजन है। वह आर्डिनेंस फैक्ट्री में काम करता था। कर्मचारी होने के बावजूद वह खुद को राजा समझता था। उसका कहना था कि जो आदमी उसे पसंद नहीं उसे वह अपनी अदालत में सजा जरूर देता है। अजीब सोच के कारण कोलंदर ने अपनी पत्नी का नाम फूलन देवी और दोनों बेटों के नाम अदालत और जमानत रखे थे। उसकी पत्नी जिला पंचायत सदस्य रह चुकी है। इस नरपिशाच की हैवानियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने आर्डिनेंस फैक्ट्री के साथी कर्मचारी काली प्रसाद श्रीवास्तव को इसलिए मौत के घाट उतारा था, क्योंकि वह कायस्थ बिरादरी का था। उसका मानना था कि कायस्थ लोगों का दिमाग काफी तेजी से काम करता है। वह कई दिनों तक उसकी खोपड़ी के हिस्से को भूनकर खाता रहा। उसके दिमाग को उबालकर सूप बनाकर पीता था।

वाराणसी में घुसा तेंदुआ, युवक पर किया अटैक, 25 लोगों के सामने नोचा, 5000 लोग घरों में कैद, ड्रोन से निगरानी

वाराणसी। वाराणसी में तेंदुए ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। 25 लोगों के सामने उसकी पीठ, पेट और हाथ नोच डाले। लोगों ने लाठी फटकार कर उसे बचाया, अस्पताल पहुंचाया। हुआ यूं कि शुक्रवार को युवक फूल तोड़ने बाग में गया था, जहां उसने झाड़ियों में तेंदुए को छिपा देखा। उसने गांव वालों को फोन कर बुलाया। लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंचे। स्थानीय युवक अमित मौर्य ने डंडे से तेंदुए पर वार कर दिया। इसके तेंदुआ आक्रामक हो गया। उसने अमित पर हमला कर दिया। यह देखकर पहले तो गांव वाले भाग खड़े हुए, फिर लाठी फटकार कर तेंदुए को भगाया। तेंदुआ रिहायशी इलाकों में घुस गया।सूचना मिलने पर वन विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब 100 कर्मचारी सुबह 9 बजे से सर्च अभियान चला रहे हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। 2 किलोमीटर एरिया में जाल बिछाया गया है। मामला वाराणसी शहर से 8 किमी दूर चौबेपुर थाना क्षेत्र के नवापुरा बस्ती का है। यहां करीब 5,000 लोग रहते हैं। तेंदुए के आने से इलाके में दहशत है। लोग घरों के दरवाजे अंदर से बंद कर छतों पर बैठे हैं। प्रशासन ने भी लोगों को घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी है। वाराणसी में हमला करने के 7 घंटे बाद तेंदुआ वन विभाग के फोर्स को चकमा देकर गायब हो गया। वन विभाग की टीम अब दूसरे गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू करने जा रही है अभी तेंदुओं को किसी ने नहीं देखा। आसपास के लोगों ने बताया कि वह जिस रास्ते से आया था उसी रास्ते से भाग गया।गाजीपुर से जाल की दूसरी खेप मंगाई गई है?। अब तक 50 मीटर की 20 से अधिक जाल मंगाई गई है?। इसके अलावा नेट लगाया गया है। मुर्गी और दाना भी रखवाया गया है। वाराणसी वन विभाग के पास तत्काल किसी जानवर को पकड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। इसका खुलासा तेंदुए के अटैक करने के बाद हुआ है। वन विभाग को तेंदुए के मूवमेंट की सूचना सुबह 9 बजे मिली थी। 3 घंटे बाद गाजीपुर से जाल मंगाया गया। वन विभाग ने बगीचे के आसपास जाल लगाया है। अब इंतजार किया जा रहा है कि उस जाल में आकर तेंदुआ फंसे। डीएफओ स्वाति सिंह ने बताया, ट्रेंक्यूलाइजर गन गोरखपुर या लखनऊ से मंगाई जा रही है। जिसको आने में शाम के 6 से 7 बज सकते हैं। बिहार की सीमा पर वन विभाग की पैनी नजर नहीं रही, जिसकी वजह से वाराणसी में तेंदुआ घुसा। गांव वालों ने तेंदुए को देखने के बाद तत्काल वन विभाग को सूचना नहीं दी। खुद ही उसे पकड़ने की कोशिश करने लगे, जिससे वह आक्रामक हो गया। वन विभाग के पास वन्य जीव को पकड़ने के संसाधन नहीं हैं।

नेहा सिंह राठौर पर वाराणसी में एक और एफआईआर, बोलीं- सरकार के पास मेरे सवालों का जवाब नहीं,4 लाख एफआईआर करवा दीजिए, आपसे नहीं डरूंगी

वाराणसी। भोजपुरी सिंगर नेहा सिंह राठौर पर एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में वाराणसी में यह दूसरी एफआईआर है। इससे पहले 27 अप्रैल को लखनऊ के हजरतगंज थाने में नेहा पर एफआईआर दर्ज हुई थी। 12 मई को नेहा के गाने चौकीदरवा कायर बा... बेटिया किसानन खातिर बनल जनरल डायर बा... पर विवाद छिड़ा। आरोप लगा कि पीएम को जनरल डायर कहा है। हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 20 मई को नेहा सिंह राठौर के खिलाफ कमिश्नरेट के तीन जोन के 15 थानों में 500 से ज्यादा शिकायतें दीं। अकेले लंका थाने में ही 318 तहरीर पड़ी। नेहा ने कहा- इस वक्त मेरे साथ क्या और क्यों हो रहा है। मैं इस सरकार से सवाल पूछ रही हूं। लेकिन, सरकार के पास मेरे सवालों का कोई जवाब नहीं है। बदले में मुझे गालियां दिलवाई जा रही हैं। 400 शिकायतें नहीं 4 लाख इंट करवा दीजिए, आपसे नहीं डरूंगी। इसी बीच 21 मई को एक और गाना जारी कर कहा- औरत पे जोर दिखावे, ई कैसा मर्दाना. साहब छोड़ दो ना बेटी बहुओं को धमकाना... बात-बात पे ये एफआईआर करवाना।नेहा ने 12 मई को सोशल मीडिया पर एक गाना पोस्ट किया था। साधना फाउंडेशन के सौरभ मौर्य ने सिगरा थाने में तहरीर देकर 22 मई की रात केस दर्ज कराया। पुलिस को दी तहरीर में सौरभ ने बताया- नेहा ने गाने में पीएम को जनरल डायर कहा था। जनरल डायर एक अंग्रेज अफसर था, जिसने 13 अप्रैल 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग में लोगों पर गोली चलवा दी थी। हजारों लोग मारे गए थे। सौरभ ने कहा कि नेहा सिंह राठौर लगातार वाराणसी के सांसद और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक वीडियो बना रही हैं। इसको देश से लेकर पाकिस्तान में वायरल कर रही है, जिससे हमारे सांसद का अपमान हुआ है। कुछ देशद्रोही मानसिकता के लोग भी नेहा सिंह राठौर को आर्थिक मदद देकर उसके वीडियो को लगातार वायरल कर रहे हैं। एसीपी चेतगंज गौरव कुमार ने बताया कि नेहा सिंह राठौर के खिलाफ सिगरा थाने में केस दर्ज किया गया है। उनके वीडियोज के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।12 मई को नेहा सिंह राठौर ने 'चौकीदरवा कायर बा....' गाना पोस्ट किया। हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 20 मई को नेहा सिंह राठौर के खिलाफ कमिश्नरेट के तीन जोन के 15 थानों में 500 से ज्यादा शिकायतें दीं। अकेले लंका थाने में ही 318 तहरीर पड़ी।

बकायेदारों की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 02 जून को

रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि न्यायालय देय के बकायेदार नौशाद पुत्र वशीर अहमद निवासी रासेहता एवं श्री छेदी पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी अनंत मजरे मरदानपुर परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 02 जून 2025 समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्ते संबंधित कार्यालय

दरिंदों से बचने के लिए ई-रिक्शा से कूदी नर्सिंग छात्रा,3 दोस्तों ने अश्लीलता की, गलत रास्ते पर ले जा रहे थे

लखनऊ। रोंगटे खड़े कर देने वाले ये शब्द 24 साल की उस नर्सिंग छात्रा के हैं, जिसके साथ चलते ई-रिक्शा में छेड़खानी की गई। छात्रा ने रोते हुए यह बात अस्पताल पहुंचाने वाली महिला गीता और अपने मामा को बताई। उसने बताया वो लोग मेरी एक भी बात नहीं सुन रहे थे। मैं ई-रिक्शा रोको-रोको चिल्ला रही थी। वह लोग भगाए जा रहे थे। अचानक दूसरा युवक चालक की सीट पर बैठ गया। उसने ई-रिक्शा की रफ्तार और बढ़ा दी। पहले ई-रिक्शा चला रहा युवक मेरे बगल में आकर बैठ गया। उसने मेरे साथ अश्लीलता शुरू कर दी। ई-रिक्शा में बैठे दो अन्य युवक भी छेड़ने लगे। मैं चीखने-चिल्लाने लगी तो उन लोगों ने मेरा मुंह दबा दिया। ई-रिक्शा तेजी से गली में अंधेरे की ओर बढ़ने लगा। मुझे समझ में आ गया कि अब मेरी इज्जत लूट ली जाएगी। मैं बहुत डर गई। अपनी इज्जत बचाने के लिए ई-रिक्शा से नीचे कूद गई। सड़क पर कूदने से मुझे चोट तो आई, लेकिन मेरी इज्जत बच गई। कुर्सी रोड स्थित एक यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा बर्लिंगटन इलाके में अपने मामा के घर गई थी। सोमवार को निजी काम से बर्लिंगटन चौराहे से टेढ़ी पुलिया जाने के लिए एक ई-रिक्शा पर सवार हुई। निशातगंज में कुछ देर के लिए रिक्शा रुका। ई-रिक्शा चालक उसके बगल में आकर बैठ गया। चालक का दोस्त ई-रिक्शा चलाने लगा। वह फोन पर व्यस्त थी तो ध्यान नहीं दिया। ई-रिक्शा टेढ़ी पुलिया पर पहुंचा। छात्रा ने ई-रिक्शा रोकने के लिए कहा। ई-रिक्शा रुकने की बजाय कुर्सी रोड की तरफ दौड़ने लगा। वह कुछ समझ पाती, इससे पहले ई-रिक्शा में सवार 4 युवकों ने अश्लीलता शुरू कर दी। अंधेरा हो चुका था। ऐसे में चलते ई-रिक्शा में गंदी हरकत देखकर नर्सिंग छात्रा चिल्लाने लगी। चालक ने ई-रिक्शा रोकने की बजाय उसकी स्पीड और बढ़ा दी। घबराई छात्रा चीखने लगी तो ई-रिक्शा सवार लड़कों ने उसका मुंह दबा दिया। जनता अस्पताल के पास ई-रिक्शा को सुनसान रोड की तरफ मोड़ दिया। घबराई लड़की चलते ई-रिक्शा से कूद गई। इसके बाद वहां भीड़ जुट गई। गीता नाम की महिला उसे अस्पताल ले गई। वहां से उसके मामा को घटना की सूचना दी गई।

डीएम ने राणा बेनी माधव बख्श सिंह आडिटोरियम के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

रायबरेली। 23 मई 2025 जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ राणा बेनी माधव बख्श सिंह आडिटोरियम के निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त परियोजना लगभग 21 करोड़ की है, परियोजना का पूर्ण करने का समय सीमा 31 जुलाई 2025 है, समय सीमा के अन्तर्गत कार्यपूर्ण कर लिया जायगा, लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है फिनसिंग का कार्य शेष है जो कराया जा रहा है।जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य को मानक के अनुरूप समयबद्ध पूर्ण कराया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, यूपीपीसीएल के एई संदीप सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्था प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वाराणसी में इलाज करा रहे नक्सली का भतीजा गिरफ्तार:रिमांड पर झारखंड पुलिस साथ ले गई, नक्सली कमांडर अखिलेश पुलिस निगरानी में भर्ती

वाराणसी। लंका में साइन मेडिसिटी अस्पताल में छिपकर इलाज करवा रहे नक्सली अखिलेश के भतीजे आकाश को झारखंड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अखिलेश अपने चाचा को गोली लगने के बाद वाराणसी लेकर भाग आया था, जहां छिपकर उसका इलाज करवा रहा था। झारखंड पुलिस आकाश को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गुरुवार की रात झारखंड को रवाना हो गई।वहीं झारखंड के पलामू के कुख्यात नक्सली अखिलेश का लंका पुलिस की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। उसके सही होने के बाद उसे भी झारखंड पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर गिरफ्तार कर झारखंड ले जाएगी।इस संबंध में एसीपी भेलूपुर इशांत सोनी ने बताया- नरिया के रोहित नगर स्थित मेडिसिटी अस्पताल में झारखंड के नक्सली के इलाज कराने की सूचना मिली थी। उसे पेट में गोली लगी थी, जो उसकी कमर को छेदते हुए बाहर निकल गई थी। इस सूचना के बाद झारखंड पुलिस के साथ जब दबिश दी गई तो मामला खुल गया। नक्सली कमांडर अखिलेश को उसका भतीजा आकाश पलामू से वाराणसी लेकर आया था और इलाज करवा रहा था।एसीपी ने बताया- बुधवार को ही भतीजे आकाश को झारखंड पुलिस ने हिरासत में लेकर लंका पुलिस को सौंप दिया था। इसके बाद उसे गुरुवार को कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर गिरफ्तार करते हुए झारखंड पुलिस झारखंड के लिए रवाना हो गई। भतीजा आकाश भी नक्सलियों को उनके ऑपरेशन में मदद करता था।नक्सली अखिलेश का साईं मेडिसिटी अस्पताल में लंका पुलिस की सख्त निगरानी में इलाज चल रहा है। एसीपी ने बताया - उसके ठीक होने पर झारखंड पुलिस उसे भी ट्रांजिट रिमांड पर झारखंड ले जाएगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल के ऊपर कार्रवाई के लिए सीएमओ को पुलिस की तरफ से लेटर लिखा जाएगा।17 मई को झारखंड के पलामू के मनातू थाना क्षेत्र के बंसकटिया जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में नक्सली संगठन टीएसपीसी का सब जोनल कमांडर अखिलेश कुमार गोली लगने से घायल हुआ था। घायल अखिलेश को उसका भतीजा आकाश लेकर वाराणसी पहुंचा था और गुपचुप तरीके से इलाज करवा रहा था। झारखंड के आईजी रांची के निर्देश पर नक्सल प्रभावित एरिया में 15 मई की रात नक्सलियों की मौजूदगी पर सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ। सूचना मिली कि जंगल इलाके में टीएसपीसी (प्रतिबंधित माओवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति) का जोनल कमांडर शशिकांत (10 लाख का इनामी), 5 लाख के इनामी मुखदेव शंभु सिंह, नगीना, गौतम और 7-8 अन्य सदस्य रुके हैं। मनातू थाना क्षेत्र के जसपुर जंगल में बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी है। पुलिस ने सरेंडर की चेतावनी दी, लेकिन नक्सलियों ने फायरिंग जारी रखी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोलीबारी की। कई नक्सलियों को गोली लगी तो कुछ मामूली चोटिल हो गए। पुलिस बल के दबाव के कारण नक्सली घने जंगल और पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाकर भाग निकले। मुठभेड़ में टीएसपीसी का सबजोनल कमांडर अखिलेश यादव उर्फ गौतम यादव पुलिस की गोली से घायल हो गया। लेकिन, मौके से साथी उसको भी उठा ले गए। वहीं, गोली पेट के रास्ते पीठ की तरफ निकल गई थी। उसके पेट में काफी मात्रा में खून जमा था।

वॉक पर निकले बुजुर्ग की मौत,कार ड्राइवर अस्पताल ले जाने के बहाने शव मेहदौरी एसटीपी के पास फेंक कर भागा

प्रयागराज।शिवकुटी थाना क्षेत्र में रसूलाबाद घाट पर सुबह टहलने निकले 65 वर्षीय फूलचंद्र भारतीय को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। फूलचंद्र पेशे से पेंटर थे। घटना बृहस्पतिवार सुबह साढ़े सात बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक घायल बुजुर्ग को अस्पताल ले जाने का बहाना बनाकर कार में ले गया। रास्ते में बुजुर्ग की मौत हो गई। इसके बाद चालक ने शव को मेहदौरी एसटीपी के पास नयापुरवा कछार में फेंक दिया और फरार हो गया।

श्री राम जी के साथ सीता जब अयोध्या धाम में आए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के बरैला

महादेव मंदिर प्रांगण में छठे वर्ष चल रहे अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ के यज्ञाचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज ने बताया रात्रि कालीन प्रवचन में काशी से पधारी सुप्रसिद्ध कथा वाचिका मानस गंगा प्रियंका पांडेय ने राम जी का विवाह प्रसंग सुनाया गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा पुत्री पवित्र किये कुल दोऊ। सुजस विमल यह कह सब कोऊ।। अर्थात कुल को पवित्र कर देती है बेटियां जिस घर में बेटी का कन्यादान होता है उस घर में सदा लक्ष्मी एवं लक्ष्मीपति की कृपा बनी रहती है आजमगढ़ से पधारे राष्ट्रीय वक्ता सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित बाल गोविंद शास्त्री महाराज ने कहा जब ते राम ब्याह घर आए। नित नव मंगल मोद बधाए श्री राम जी के साथ सीता भगवती जब अयोध्या धाम में आए तो नित्य ही मंगल होने लगा अयोध्या धाम में क्योंकि भगवती सीता साक्षात दुर्गा है और मां भगवती की कृपा हमारे देश पर है इसलिए हम भारत माता की जय बोलते हैं, उस देश को देश कहे हमका जिस देश में धर्म प्रथा ही ना हो, उसे गांव को गांव कहे हम क्या जीस गांव में श्री राम कथा ही ना हो इस कथा से श्रोता हुए मंत्र मुग्ध लगाया मंडप की परिक्रमा इस शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के चूरमा मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे देवेश मिश्रा हेमंत गुप्ता संतोष पांडे एडवोकेट रवि प्रकाश पांडे अरविंद शरण सिंह अखिलेश चतुर्वेदी आदि लोग मौजूद रहे।

लाइनमैन के मनमानी पर हिन्दू राष्ट्र शक्ति ने जताया आक्रोश

अधिशाशी अभियंता रॉबर्ट्सगंज सौंपा पत्र जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लो मेरा जब मन करेगा तब लाइट

सोनभद्र। हिन्दू राष्ट्र शक्ति बैनर तले कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को लाइनमैन के मनमानी को लेकर अधिशाशी अभियंता रॉबर्ट्सगंज को पत्र देकर जताया विरोध।ग्रामीणों ने बताया की हम ग्रामवासी पटवध कन्हौरा नगपुर महदेवा के निवासी है। दुबेपुर सब स्टेशन के वैनी फिटर के लाइन मैन ड्यूटी समय में नसे में धुत रहता है, और ये चार गावं की सप्लाई आये दिन बाधित करता रहता है। जब चाहे पोल पर चढ़कर बिजली काट देता है, और फोन करने पर फ़ोन नहीं उठता है, अगर फ़ोन उठता भी है तो कहता है, जो उखाड़ना है उखाड जाएगी,वहीं ग्रामीणों ने अधिशासी अधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए इस प्रकरण की जाच करते हुए एवं कृष्ण कुमार लाइन मैंन को निलंबित करने की कृपया करे। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अगर उसको निलंबित नहीं किया जाता है तो हम ग्रामवाशी उग्रआन्दोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी जवाब दे ही आपके विभाग कीहोगी ।इस मौके पर छोटे लाल यादव, संगीता, श्री प्रकाश शुक्ला,ऋषि राज शुक्ला,बहादुर भारती,अनिल यादव,अरविंद,विपुल सहित आदि लोग मौजूद रहे।

देर रात तक चला सेंट्रल बार एसोसिएशन की मतगणना का कार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। कांटे की टक्कर में राकेश तिवारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुरेश चंद यादव को दो मतों से हराकर अध्यक्ष पद पर जीत प्राप्त की। वही महामंत्री पद पर योगेंद्र कुमार दीक्षित ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संजय प्रताप सिंह को 229 मतो से हराकर जीत हासिल की ,उन्होंने कुल 588 मत प्राप्त किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संतोष कुमार शुक्ला ने संतोष कुमार पाल को 09मतों से हराया। उपाध्यक्ष के दो पदों पर मुकेश बाजपेई कल 496 मत व राघवेंद्र सिंह कुल 410 मत पाकर विजई रहे। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सर्वेद प्रताप सिंह 550 मत पाकर सफल हुए , सुनील कुमार तिवारी 636मत पाकर सफल रहे। संयुक्त मंत्री के तीन पदों पर गोविंद बहादुर सिंह 617, शुभम अवस्थी 439 व सुभाष श्रीवास्तव 413 मत पाकर चुने गए। इसी प्रकार वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए हिमांशु धर सिंह 496 मत, संजय मिश्रा 451मत, मुकेश कुमार सिंह 450 मत, करुणेंद्र मिश्रा 439 मत, अनुपम उपाध्याय 431 मत व कमलेश यादव 409 मत पाकर चुने गए। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों के लिए अभिषेक श्रीवास्तव, मुकेश कुमार अकेला, राहुल दीक्षित, तुषार भारती, रेशमा बानो व आनंद कुमार दीक्षित निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचित पदाधिकारियो की घोषणा एल्डर कमेटी के अध्यक्ष मानू प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर सदस्य शंकर लाल गुप्ता ,राम बहादुर सिंह ,सत्येंद्र बहादुर सिंह ,डीपी पाल , ओ.पी.सिंह ,शिवकुमार शुक्ला ,धीरेंद्र पाल सिंह, देवेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) साथ मुख्य अजमान आरके श्रीवास्तव

सोनभद्र। स्थानीय इंदिरा नगर व्यापार कार्यालय के पीछे , फैमिली हेल्थ केयर सेंटर पर कलक्ट्रेट के सेवानिवृत कर्मचारी रामकृष्ण श्रीवास्तव द्वारा सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन दिनांक 23 मई से 29 मई तक किया गया है यह कथा प्रतिदिन शाम 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक संपन्न की जाएगी कथा वृंदावन मथुरा से आचार्य दानवीर के द्वारा संपन्न की जाएगी आज प्रथम दिवस प्रातः 7:30 बजे से प्रातः 10:30 बजे तक एक कलश यात्रा इंदिरा नगर से पहलवान वीर बाबा फायर ऑफिस पुरानी तहसील होते हुए महाकाल मंदिर तक गई थी जिसमें 51 माता बहनों ने पीले परिधान में पीले रंग के कलश के साथ शोभायात्रा निकाली थी आगे आगे डीजे बज रहा था और उसी के एवं श्रीमती गीता श्रीवास्तव श्रीमद् भागवत की पोथी को लेकर के आगे आगे चल रहे थे उनके पीछे हजारों नगर वासी पैदल चल रहे थे इस अवसर पर मुख्य रूप से मंटू शुक्ला डॉक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, विनोद त्रिवेदी देवेंद्र मिश्रा, ज्योति हंसराज सिंह, पूनम आकाश बृजेश, कल्पना आयुष रजनीश आदि लोग उपस्थित थे श्रीमद् भागवत कथा 23 से 29 मई तक प्रतिदिन शाम 5:00 बजे से रात 9:00 बजे तक संपन्न की जाएगी तथा रात्रि 9:00 बजे नित्य आरती होगी और प्रसाद का वितरण किया जाएगा दिनांक 30 मई ,शुक्रवार को दोपहर 2:00 बजे से ब्रह्म भोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें सभी नगर वासियों से उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है कथा स्थल पर माता बहनों के लिए पुरुषों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था है

न्यू ब्वायज क्रिकेट क्लब द्वारा 11 वा रात्रिकालीन कैनवस बाल प्रतियोगिता का शानदार हुआ आगाज

उद्घाटन मैच में चुर्क ने नई बाजार को हराकर उद्घाटन मैच जीता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) टारगेट चुर्क को दिया गया था लेकिन

सोनभद्र/ब्यूरो- गुरुवार रात्रि को न्यू चुर्क ने बीना विकेट गवाएं मैच जीत ब्वायज क्रिकेट क्लब द्वारा 11 वा रात्रिकालीन कैनवस बाल प्रतियोगिता का राबर्ट्सगंज स्थित आर टी एस क्लब में आयोजन किया गया जिसमें संरक्षक पूर्व विधायक माननीय अविनाश कुशवाहा जी एवं न्यू ब्वायज क्लब अध्यक्ष व जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद साहब के द्वारा प्रतियोगिता का उद्घाटन कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया एवं प्रतियोगी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी उद्घाटन मैच 12 ओवर का खेला गया चुर्क एवं नई बाजार के बीच चुर्क ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी नई बाजार ने 12 ओवर में 42 रन का लिया और मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विक्की को मैन ऑफ द मैच दिया गया.गई जिसमे अंपायर के रूप में हाजी मुस्तफा जमाल सुन्ना व सैय्यद वारिश अली ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। तथा कमेन्ट्री का कार्यभार नवल वाजपेयी जी व बादली ने किया व स्कोरर की भूमिका में शाहनवाज व राजा ने किया।जिसमे मुख्य रूप से उपाध्यक्ष शमीम अहमद, सचिव साजिद खान,मोनू पाण्डेय कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, मुहम्मद इमरान बख्शी,टीपू सदस्य के रूप में नौशाद, मोहसिन, मुख्तार, अमित केशरी,चंदन जायसवाल तौफीक अहमद सोनी जाफर आदि मौजूद रहे।

महिला चिकित्सक पर लगाए कई आरोप जांच की की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में कर्मचारीयो का एक समूह मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ बी सागर से मिलकर कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन पत्र सौपा जिसमें जिला अध्यक्ष द्वारा बताया गया की जिला संयुक्त चिकित्सालय,स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के अंतर्गत कार्यत डॉक्टर अंकिता सिंह के द्वारा अपने पद के अनुरूप कार्य न करके आए दिन कर्मचारियों से बदतमीजी एवं ऊलजुलुल बातें किया जाता है तथा कर्मचारियों को वेतन रोकने एवं निकालने की भी धमकी दी जाती है जिससे संविदा कर्मचारी मानसिक रूप से पीड़ित हैं और अपना राजकीय कार्य करने में समस्या उत्पन्न हो रही है संघ के जिला अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि अगर डॉक्टर अंकिता के कार्य एवं व्यवहार में सुधार न हुआ तो संघ व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन करने को बाधित होगा उसकी समस्त जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की होगी उक्त अवसर पर अखिलेश दुबे, मीना सोनकर, सुशील दुबे,मयंक पांडे राहुल पांडे, वाचस्पति मिश्रा, सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।431 मत व कमलेश यादव 409 मत पाकर चुने गए। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों के लिए अभिषेक श्रीवास्तव, मुकेश कुमार अकेला, राहुल दीक्षित, तुषार भारती, रेशमा बानो व आनंद कुमार दीक्षित निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए । निर्वाचित पदाधिकारियो की घोषणा एल्डर कमेटी के अध्यक्ष मानू प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर सदस्य शंकर लाल गुप्ता ,राम बहादुर सिंह ,सत्येंद्र बहादुर सिंह ,डीपी पाल , ओ.पी.सिंह ,शिवकुमार शुक्ला ,धीरेंद्र पाल सिंह, देवेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ता के आर्थिक हितार्थ कल्याण निधि की स्थापना को सयुक्त बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र

। अधिवक्ता के आर्थिक सहयोग के लिए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र व सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र की संयुक्त बैठक वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष भोला सिंह यादव के अध्यक्षता में संपन्न हुई! जिसमें अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु दोनों बार अलग-अलग अधिवक्ता कल्याण न्यास बनने पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया! संयुक्त बार बैठक को संबोधित करते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु अधिवक्ता कल्याण न्यास का गठन एक दूरदर्शी एवं अधिवक्ताओं के हित में है जहां अधिवक्ताओं की बात होती है वहां स्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र हमेशा खड़ा रहता है ! हमारा बार डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र अधिवक्ता कल्याण न्यास के गठन के लिए तैयार है इसके गठन से सभी वर्गों के अधिवक्ताओं का उत्थान होगा तथा उन्हें सभी के सहयोग से न्यास के माध्यम से आर्थिक सहयोग दिया जा सकेगा!सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के पूर्व अध्यक्ष विनोद कुमार चौबे ने कहा कि अधिवक्ताओं के समग्र विकास तभी होगा जब हमें किसी आकस्मिक समय पर बार आर्थिक सहयोग करता है तभी हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं इसी को ध्यान में रखते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन व सोनभद्र बार एसोसिएशन की सयुक्त बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से पास हुआ कि दोनों संगठन अपना अलग-अलग अधिवक्ता कल्याण न्यास बनाएंगे, इसके लिए सोनभद्र बार एसोसिएशन की तरफ से तरफ से अधिवक्ता विनोद कुमार चौबे व शारदा प्रसाद मौर्य को जिम्मेदारी दी गई तथा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की तरफ से यह जिम्मेदारी अधिवक्ता पवन कुमार सिंह व राजेश कुमार यादव को दी गई ! यह लोग दो दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे! संचालन अधिवक्ता राजेश कुमार मौर्य ने किया ! संयुक्त बैठक में प्रदीप कुमार मौर्य, सुरेश सिंह कुशवाहा, राम गुल्ली यादव, चंद्र प्रकाश सिंह, विमल प्रसाद सिंह, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, कामता प्रसाद यादव, रमेश चंद्र सिंह, टीटू गुप्ता, शाहनवाज आलम खान, राजकुमार सिंह, अविनाश यादव आदि लोग मौजूद रहे ।

नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकात्रियों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) समेत बच्चों की वृद्धि निगरानी कुपोषित

सोनभद्र। ब्लॉक रॉबर्ट्सगंज बाल विकास परियोजना अधिकारी सुभाष कुमार मौर्य द्वारा शुक्रवार को सभी नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए पोषण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया गया उक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पिरामल फाउडेशन से वीरेंद्र कुमार पाण्डेय द्वारा आंगनवाड़ी के समस्त 6 कार्यों अनुपूरक पोषाहार वितरण, टिकाकरण , स्वास्थ जांच , स्वास्थ्य एवं पोषण परामर्श ,संदर्भन सेवाएं , और अती कुपोषित बच्चों की पहचान समेत गर्भवती माता की जांच एवं देखभाल एवं ग्राम स्वास्थ्य स्वक्षता एवं पोषण दिवस के बारे में विस्तृत चर्चा किया गया एवं रॉकेट लर्निंग के जनपद प्रतिनिधि ऋषिकेश प्रियदर्शी द्वारा साला पूर्व शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई उक्त कार्यशाला मे मुख्य सेविका अशोक कुमारी शुशीला देवी समेत पिरामल फाउंडेशन से फेलो सृष्टि भुजेल ,अनामिका द्विवेदी ने सहयोग प्रदान किया ।

पिकअप और टीपर में हुई जोरदार टक्कर एक की मौत।

चोपन सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंदुरिया-जुगैल मार्ग पर स्थित

नायरा पेट्रोल टंकी के समीप एक तीव्र मोड़ पर भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा उस समय हुआ जब एक टीपर सिंदुरिया से जुगैल की ओर जा रहा था, तभी जुगैल से सिंदुरिया की ओर आ रही पिकअप टाटा मैजिक ने सामने से तेज रफ्तार में आकर टीपर में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में टाटा मैजिक का चालक, जिसकी उम्र लगभग 42 वर्ष बताई जा रही है और जिसकी शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है, गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना होते ही आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया। हालांकि चिकित्सकों ने काफी प्रयास किया लेकिन उसकी मृत्यु हो गई। इधर, हादसे के बाद टीपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को सड़क से हटवा कर किनारे सुरक्षित खड़ा कराया गया, जिससे यातायात व्यवस्था बहाल की जा सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है एवं फरार टीपर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

नगर स्थित धर्मशाला रोड पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

युवा देश के ऐसा सैनिक है जिसके बल पर यह राष्ट्र मजबूत होता हैः इंद्रेश जी

सोनभद्र। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश माहामंत्री देवेंद्र भाई पटेल के

नेतृत्व में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर गुरुवार को आयोजन किया गया मुख्य अतिथि के रूप में इंद्रेश कुमार अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संरक्षक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उपस्थित रहे। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर मैं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि इंद्रेश कुमार ने बताया कि युवा इस देश का कर्णधार हैं युवाओं के ऊपर आईएस राष्ट्र को मजबूत करने की साशक्त जिम्मेदारी है युवा इस देश का ऐसा सैनिक है जिसके बल पर यह राष्ट्र मजबूत होता है। उन्हों ने अपनी जिंदगी को मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। उनके प्रयासों ने ना जाने कितने लोगों की जान बचाई है और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। ऐसे लोग निस्संदेह समाज के हीरो होते हैं। जिनकी प्रेरणा से और लोग भी आगे आकर रक्तदान करने के लिए प्रेरित होते हैं। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंत में मुख्य अतिथि ने बताया कि भारत में दूसरी कथा लिखी गई जिसका नाम सिंदूर था एक कथा महाभारत की थी यह भी आने वाले पीढ़ियों के लिए एक संदेश देने का काम करेंगे। इस मौके पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा धर्मवीर तिवारी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष यादवेंदर् दत्त द्विवेदी, डॉ नीलेश दत्त द्विवेदी काशी क्षेत्र मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी,डॉक्टर राकेश पांडेय,उत्कर्ष पांडेय, अरुण चौबे,ब्रम्हा नंद पटेल,परमानन्द पटेल,राजेश मिश्रा,राम सेवक मौर्य,रवि तिवारी,डॉक्टर योगेश सिंह ,विवेक पांडेय,रवि पटेल,आशुतोष चौबे,डॉक्टर प्रशांत पांडेय,अमित गोयल,नार सिंह पटेल,उमेश ओझा,मुहम्मद सलीम आदि लोग उपस्थित रहे।

11 वैदिक विद्वानों के यजुर्वेद मंत्र पाठ से क्षेत्र हो रहा है गूंजयमान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रावटसगंज ब्लॉक के बरैला महादेव मंदिर प्रांगण में छठे वर्ष चल रहे अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ के चतुर्थ दिवस में यज्ञाचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज के द्वारा देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक श्रृंगार पूजन कर समाज क्षेत्र विश्व कल्याणार्थ किए जा रहे यज्ञ में आए सभी सैकड़ो श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि तीन प्रकार की यज्ञ विशेष रूप से वैदिक परंपरा के अनुसार शास्त्रोक्त विधि से कराई जाती है , हवनात्मक, पाठा त्मक,अभिषेकात्मक , जिसमें शिव महापुराण में बताया गया है कि कलयुग मे श्री अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं श्री राम कथा का विशेष स्थान है इसलिए 11 वैदिक विद्वानों के यजुर्वेद मंत्र पाठ से क्षेत्र हो रहा है गूंजयमान हो रहा है मंदिर प्रांगण में ही रात्रि कालीन प्रवचन के दौरान वाराणसी से पधारी मानस गंगा सुप्रसिद्ध कथा वाचिका प्रियंका पांडे के द्वारा भगवान श्री राम जी के विवाह का दिव्य प्रकरण सुनाया गया मानस की चौपाई प्रात काल उठकर रघुना था।मातू पिता गुरु नावही माथा।। अर्थात हर बालक बेटी के अंदर भगवान श्री राम जी के चरित्र को उतारना जरूरी है, आजमगढ़ से पधारे मानस वक्ता सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित बाल गोविंद शास्त्री जी महाराज ने मानस की चौपाई गुरु गृह गयऊ पढ़न रघुराई।अल्पकाल विद्या सब आई।। अर्थात जिस प्रकार भगवान श्री राम को थोड़े ही समय में सारी विद्याएं आ गई इस प्रकार अगर कोई बालक या बेटी गुरु के घर गुरु भक्ति करते हुए शिक्षा अध्ययन करता है वह निश्चित रूप से श्री राम की तरह पूजनीय हो जाएगा क्योंकि भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा था रथ हांकब समझाईब बाता।चक्र सुदर्शन गहब न हाथा।। अर्थात भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन का साथ तीर धनुष से नहीं बल्कि धर्म के अनुसार बुद्धि और सारथी के रूप में कर दिए इसलिए जब हम धर्म करेंगे तो भगवान शिव हमारी रक्षा स्वयं करेंगें।

अधिवक्ताओं ने आपरेशन सिंदूर के सफलता पर निकाली तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। जनपद न्यायालय परिसर राबर्ट्सगंज में अधिवक्ताओं ने आपरेशन सिंदूर के सफलता पर भारतीय सेना के अदम शौर्य और पराक्रम के खुशी में तिरंगा यात्रा निकाली। अधिवक्ताओं ने भारत माता और भारतीय सेना का जयकारा लगाते हुए पूरे परिसर में चक्रमण किया। इसी दौरान संबोधन में शशांक शेखर कात्यायन ने भारतीय सेना के वीरता और साहस की सराहना की।विनोद कुमार शुक्ल एडवोकेट ने कहा कि आतंक के मकड़जाल में जकड़ा पाकिस्तान के द्वारा निरीह भारतीय पर्यटक को मारकर हमारी मां बहन के सिंदूर का बदला जाबाज भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर लिया और पाक को नंगा कर दिया। राजीव सिंह गौतम ने बताया कि जिस देश की सेना ही आतंकवादी हो, उस देश का भविष्य क्या होगा।कार्यक्रम में सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एवं महामंत्री अखिलेश पाण्डेय,शशांक शेखर कात्यायन, पूनम सिंह, विनोद कुमार शुक्ल, राजीव गौतम,आरती पाण्डेय, कंचन सिंहा, कोमल सिंह,गीत गोड, शारदा मौर्या, प्रभात कुमार मिश्र, सुरेश सिंह, राजेन्द्र यादव, धनंजय शुक्ल, त्रियुगीनारायण, कुणाल सिंह, अरुण सिंघल आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

पिछड़े वर्गों की सच्ची हितैषी बहन कु मायावतीः बी सागर

सोनभद्र। देश में सामाजिक परिवर्तन की बहन कुमारी मायावती

राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद राज्यसभा के निर्देश पर समस्त अन्य पिछड़े वर्ग के अंतर्गत भाईचारा बनाकर पार्टी की विचारधारा से जोड़ने के लिए चार बार के शासनकाल में पिछड़े वर्ग के लिए लिए गए उनके हित में जो फैसला एवं सरकार द्वारा काम किए गए पूरे देश के किसी प्रदेश में किसी अन्य सरकार द्वारा काम नहीं हुआ । बहुजन समाज पार्टी अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़े वर्ग अल्पसंख्यक सर्व समाज में गरीब तबके के लोगों के लिए युद्ध स्तर पर काम किया ।तथा कानून का राज्य स्थापित किया इस बात को बूथ स्तर पर लोगों को बताने के लिए बी0 सागर ने बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में जनपद सोनभद्र के चारों विधानसभा के अंतर्गत निम्न लिखित स्थान व सेक्टर एवं निर्धारित तिथियों में आयोजित किया गया हैं। जिसकी जानकारी दी गई। इस बैठक को सफल बनाने हेतु विचार विमर्श किया गया इस दौरान रमेश कुशवाहा जिला संयोजक, डॉ रामावतार चौहान पूर्व जिला महासचिव , संजय कनौजिया जिला सचिव संजय ठाकुर राणा सुभाष राव अंबेडकर कृष्ण कुमार गिरी उत्तम बाबा देवी शरण भारती सत्य प्रकाश जायसवाल जोन प्रभार विश्वनाथ प्रसाद अग्रहरी ,कमलेश पाल आदि लोग रहे।बैठक की तैयारी का विवरण जो इस प्रकार है- 01 रॉबर्ट्सगंज विधान सभा में 24 मई 2025 को सेक्टर डाला में दोपहर 12 बजे,02 ओबरा विधान सभा में 25 मई 2025 को सेक्टर खजुरा में समय दोपहर 01 बजे, 03 दुद्धी विधान सभा में 26 मई 2025 को सेक्टर किरविल समय दोपहर 2:30 बजे, 04 घोरावल विधान सभा में 29 मई 2025 दोपहर 02 बजे अतः आप सभी पार्टी के पदाधिकारी गण एवं पूर्व पदाधिकारियों से अनुरोध है कि उक्त स्थान व तिथि पर अन्य पिछड़े वर्ग के मिशन मूवमेंट विचारधारा से जुड़े पार्टी के सभी शुभ चिंतक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

अंगुली पकड़ के ले आया मुझे, खाटू नगरी घुमाया मुझे,संजीव शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शरणागत श्री श्याम

महोत्सव में उमड़ी जन सैलाब सप्तम श्री श्याम महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ होटल अरिहंत के प्रांगण में संगीत मय कार्यक्रम संपन्न हुआ।नगर में सप्तम श्री श्याम महोत्सव शरणागतम बुधवार की देर शाम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। इसके साथ ही विशेष रूप से बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया गया। इसके साथ ही खाटू श्याम बाबा को छप्पन भोग लगाए गए।वहीं श्री श्याम भक्त मंडल जिसमें श्याम बाबा के लाडले खाटूश्यामजी के श्याम सिंह , पुरुषोत्तम शर्मा , राबर्ट्सगंज से भजन गायक संजीव शर्मा ने भक्तों को भजन सुनाए जिसमें अंगुली पकड़ के ले आया मुझे, खाटू नगरी घुमाया मुझे, श्याम ओ मेरे श्याम मैं तेरा लाडला..., हारे हारे हारे हारे के सहारे, बैठा जो खाटू में उस से कहना है, श्याम मेरे श्याम श्याम मेरे श्याम... व अन्य भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। वही , रायपुर छत्तीसगढ़ से रेशमी शर्मा , कोलकाता से सौरभ शर्मा,संजू शर्मा, दिल्ली से शीतल पाण्डेय, आदि कोलकाता, खाटू धाम,राबर्ट्सगंज से आए भजन प्रवाहक पूरी रात बाबा रिझाए। श्याम का ज्योत के लिए भक्तों की अपार भीड़ लगी रही।आयोजक श्री श्याम भक्त मंडल रावटसगंज पावन सानिध्य श्री श्याम कला भवन पुनीत जैन,पवन कुमार जैन, रवि जरीवाल, परमेश जैन,अशोक मिश्रा ,डॉ रोहित केडिया,संजय अग्रवाल उर्फ शैलू,अमित जैन, दुर्गा परशुराम पुरिया, मनोज परशुराम पुरिया ने कार्यक्रम को लेकर आयोजक का सहयोग किया। इस दौरान दरबार में बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने लंबी लाइन में लगकर बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।वहीं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कस्बा चौकी अंतर्गत मकान में काम करते समय श्रमिक की मौत

रोबर्टसगंज। कस्बा चौकी अंतर्गत

बैंक आफ बड़ौदा मकान में काम करते समय एक श्रमिक की मौत।कांट्रेक्टर पर दिया था मकान मालिक काम करने के लिए।आनन फानन में मृतक को पोस्ट मार्टम में रखवाया।आखिर कार इतनी बड़ी चूक कैसे हुई क्या मानक के अनुरूप काम हो रहा था क्या सेफ्टी की व्यवस्था थी।मृतक राकेश निवासी गिरिया थाना रामपुर बरकोनिया का रहने वाला था अपने पीछे बच्चो को छोड़ कर चला गया।

लेड से लेकर मरकरी तक, सिंदूर में मिले होते हैं खतरनाक केमिकल, चीन है सबसे बड़ा खिलाड़ी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में सिंदूर की चर्चा काफी शुरू हो गई है। हिंदू धर्म में शादीशुदा महिलाओं की मांग की शोभा बढ़ाने वाले सिंदूर की भारत में जबरदस्त मांग रहती है। वहीं दुनिया के दूसरे ऐसे देशों में जहां हिंदू महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है, वहां भी इसकी अच्छी-खासी डिमांड रहती है। दरअसल, इस सिंदूर में कई खतरनाक केमिकल मिले होते हैं। अगर कोई इसे गलती से खा ले, तो उसकी मौत हो सकती है। चीन का प्रोडक्शन भारत, चीन और दूसरे कई देशों में होता है। भारत दुनिया के कई देशों से सिंदूर का आयात भी करता है। इसमें चीन प्रमुख खिलाड़ी है।मार्केट में मिलने वाले सिंदूर में कई तरह के खतरनाक केमिकल मिले होते हैं। इनमें मरक्यूरिक सल्फाइड, लेड ऑक्साइड, सिंथेटिक डाई आदि शामिल होते हैं। ये सभी केमिकल काफी खतरनाक होते हैं। अगर कोई शख्स सिंदूर की थोड़ी मात्रा भी खा ले, तो उसकी मौत हो सकती है। वहीं इसके लगातार इस्तेमाल से स्किन को भी समस्या हो सकती है। सिंदूर में मिलाया जाने

वाला यह प्रमुख केमिकल है। इसे सिनाबार भी कहते हैं। यह चमकीले लाल रंग का होता है। इसमें मरकरी या पारा मिला होता है। अगर यह शरीर में चला जाए तो इससे फेफड़े, गुर्दे आदि को नुकसान हो सकता है। वहीं यह नर्वस सिस्टम को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसके लिए इसके सेवन ने खून की कमी भी हो सकती है। यह पीले या लाल-भूरे रंग का होता है। इसका ज्यादातर इस्तेमाल बैटरी, सिरेमिक और पेंट बनाने में होता है। सस्ते और नकली सिंदूर में इसका इस्तेमाल बहुत होता है। इसमें लेड यानी सीसा मिला होता है जो काफी जहरीला होता है। अगर कोई शख्स इसे खा ले तो यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। यही नहीं, इससे गुर्दे भी खराब हो सकते हैं। सिंदूर में कई अन्य केमिकल और केमिकल मिले होते हैं। इनमें सिंथेटिक डाई से लेकर सिंथेटिक पिगमेंट तक शामिल होते हैं। इनका इस्तेमाल सिंदूर के रंग और टेक्सचर को बेहतर बनाने में होता है। इनके इस्तेमाल से एलर्जी और खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं।मार्केट में इस समय हर्बल सिंदूर भी काफी हैं। इन्हें बनाने के लिए सिंदूर के खास पौधे और कुछ घरेलू चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, सिंदूर का पौधा भी होता है। भारत में काफी लोग इसकी खेती करते हैं। इस पौधे पर लगने वाले फूल और फल से सिंदूर तैयार किया जाता है।सिंदूर का इतिहास काफी पुराना है। सिंदूर का जिक्र 8000-7000 ईसा पूर्व से मिलता है। प्राचीन समय में इसका इस्तेमाल रोम और दूसरे देशों में कला और सजावट में किया जाता था। मध्य युग में इसका इस्तेमाल पांडुलिपियों में, पेंटिंग्स में और चीन की कला में किया जाने लगा। एक खास लाल रंग देने के लिए सिंदूर का इस्तेमाल किया जाता था।5000-4000 ईसा पूर्व में चीन में इसका इस्तेमाल बर्तनों को रंगने, कमरों की दीवारों और फर्श का लाल रंग देने आदि में किया जाता था। अमेरिका समेत दूसरे देशों में भी इसका पुराना जिक्र मिलता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार महाभारत में भी सिंदूर का जिक्र मिलता है।भारत में वैसे तो काफी मात्रा में सिंदूर बनता है, लेकिन फिर भी कई देशों से सिंदूर का आयात किया जाता है। इनमें चीन, यूएई और दूसरे खाड़ी देश शामिल हैं। इनमें चीन प्रमुख है। भारत चीन से सबसे ज्यादा सिंदूर आयात करता है।कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने साल अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच सिंदूर की 20 शिपमेंट आयात की थीं। ये शिपमेंट दुनिया के 9 देशों से आई थीं। इस दौरान सबसे ज्यादा सिंदूर चीन, ताइवान और यूएई से खरीदा गया। कुल आयात हुए सिंदूर में सबसे ज्यादा मात्रा चीन से आने वाले सिंदूर की रही।

भारतीय छात्रों के लिए दरवाजे बंद कर रहा कनाडा? स्टडी परमिट जारी करने में हुई 31फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। क्या भारतीय छात्रों के लिए कनाडा अपने दरवाजे बंद कर रहा है? इन दिनों हर कोई ये सवाल पूछ रहा है।

इसकी वजह ये है कि भारतीयों को मिलने वाले स्टडी परमिट की संख्या में गिरावट देखने को मिली है। ये गिरावट दो-चार फीसदी नहीं हुई है, बल्कि इससे काफी ज्यादा है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि 2024 की पहली तिमाही के मुकाबले 2025 में स्टडी परमिट मिलने संख्या लगभग एक तिहाई गिर गई है। ये दिखाता है कि कनाडा कैसे छात्रों की संख्या कम कर रहा है।इमिग्रेशन, रिफ्यूजीस एंड सिटिजनशिप कनाडा के नए आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में भारत के छात्रों को 30,640 परमिट जारी किए गए। जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 44,295 थी। यह लगभग 31प्रतिशत की गिरावट है। कुल मिलाकर भी आंकड़ों में गिरावट आई है। 2024 की पहली तिमाही में 1,21,070 परमिट जारी हुए थे, जबकि 2025 में यह संख्या 96,015 हो गई है।क्या आपको लगता है कि कनाडा में आवास की समस्या को हल करने के लिए छात्रों की संख्या में कमी जरूरी है?कनाडा सरकार ने 2023 की आखिरी तिमाही में विदेशी छात्रों की संख्या को कम करने के लिए कदम उठाए थे। यह गिरावट उसी का नतीजा है। 2023 में कनाडा ने कुल 6,81,155 स्टडी परमिट जारी किए थे। इनमें से 2,78,045 भारतीय छात्रों को मिले थे। पिछले साल यह संख्या घटकर 5,16,275 हो गई और भारतीय छात्रों की संख्या 1,88,465 रह गई।कनाडा सरकार ने कुछ नीतियां बदली हैं। इसकी वजह ये है कि रिकॉर्ड संख्या में लोगों के आने से आवास की समस्या बढ़ गई है। स्वास्थ्य और परिवहन सेवाओं पर भी दबाव बढ़ गया है। 28 अप्रैल को हुए चुनाव के बाद, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार का रुख नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि अस्थायी निवासी, जिनमें छात्र और विदेशी वर्कर्स शामिल हैं, 2027 तक देश की आबादी का पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।आईआरसीसी ने 18 सितंबर, 2024 को बताया कि 2025 के लिए स्टडी परमिट जारी करने की सीमा 4,37,000 होगी। इस साल ये टारगेट 4,85,000 था। 2025 की ये स्थिर संख्या 2026 के लिए भी लागू रहेगी। इसका मतलब है कि कनाडा सरकार अगले दो सालों तक लगभग इतने ही परमिट जारी करेगी।

2 साल से चाचा कर रहा था नाबालिग के साथ गलत काम, गर्भवती हुई, अस्पताल के टॉयलेट में बच्चे को दिया जन्म

शिवपुरी। शिवपुरी में एक नाबालिग लड़की के साथ उसके चाचा द्वारा दो साल तक गलत काम करने का मामला सामने आया था। लड़की ने जिला अस्पताल के टॉयलेट में बच्चे को जन्म दिया। पुलिस ने आरोपी चाचा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता के गर्भवती होने की बात सुनकर घर छोड़कर अपने गांव भाग गया था। यह घटना शिवपुरी के देहात थाना क्षेत्र की है। एक 16 साल की लड़की को बुधवार को कोई पदार्थ खाने की शिकायत के साथ जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उसने शौचालय में एक बच्चे को जन्म दिया। बाद में उसने बताया कि उसने कोई पदार्थ नहीं खाया था। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि उसका 25 वर्षीय चाचा पिछले दो साल से उसके साथ गलत काम कर रहा था। उसने बताया कि जब वह गांव में रहती थी, तब उसके चाचा ने पहली बार उसके साथ ऐसा किया था। फिर लगभग छह-सात महीने पहले वह शिवपुरी आकर उनके घर में रहने लगा। इस दौरान उसने कई बार उसके साथ वैसा काम किया।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह डर के कारण इस बारे में किसी को नहीं बता पाई।

पाकिस्तान की 2 शाहीन मिसाइलें, एफ-16 समेत 8 फाइटर जेट तबाह...फिर मुनीर को क्यों दी तरक्की, भारत से डर है वजह?

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के

वायुसेना को काफी नुकसान हुआ है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि पाकिस्तान की शाहीन मिसाइलें, तुर्की से मंगाए गए ताकतवर ड्रोन, एफ-16 समेत 8 फाइटर जेट और अवॉक्स नष्ट हो गए हैं। पाकिस्तान को आर्थिक रूप से काफी नुकसान हुआ है। इसके बाद भी पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर को तरक्की देकर फील्ड मार्शल बना दिया गया है। माना जा रहा है कि भारत से मिली करारी हार और बड़े नुकसान के बाद जानबूझकर उनके कद को ऊंचा किया गया है, ताकि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को बरगलाया जा सके। पाकिस्तान ने भी भारत के कई जेट को नुकसान पहुंचाने के दावे किए हैं, मगर वो कोई सबूत नहीं दे पाया। जानते हैं पाकिस्तानी वायुसेना को कितना नुकसान हुआ है और यह समझते हैं कि इतने नुकसान के बाद भी मुनीर को फील्ड मार्शल क्यों बनाया गया? थिंक टैंक ग्रुप डॉयलॉग्स फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की वजह से पाकिस्तान की वायुसेना को बड़ा सामरिक और आर्थिक नुकसान हुआ है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीकानेर में एक सभा में कहा था कि भारत की मार खाकर पाकिस्तान का रहीम यार खान एयरबेस आईसीयू में है और पता नहीं आगे कब खुलेगा।दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान के सेना प्रमुख वहां के विपक्षी दलों के निशाने पर हैं। इमरान खान समेत कई नेता उनकी इस तरक्की का मजाक उड़ा रहे हैं। वैसे असीम मुनीर को यह पता है कि भारतीय सेना ने उनके कई ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है, मगर वह अपनी ताकत जानबूझकर बढ़ा रहे हैं ताकि ऑरपेशन सिंदूर के दैरान पाकिस्तान की हार को लेकर सैन्य तानाशाह की लंबी लिस्ट है। इससे पहले वह अपना कार्यकाल बढ़वा चुके हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पहले ही पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मुनीर की ताकत और बढ़ा दी थी। उन्हें डर है कि कहीं उनका भी हाल परवेज मुशर्रफ जैसा न हो जाए।रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी वायुसेना को करीब 4,500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह पाकिस्तानी वायुसेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। आईएमएफ से कर्जे लेने वाला पाकिस्तान की हालत अब और खराब होगी, क्योंकि वह पूरी तरह से कर्ज के दलदल में धंस चुका है। पाकिस्तान पर कुल सार्वजनिक कर्ज 256 बिलियन डॉलर है, जो लगभग 21.6 लाख करोड़ रुपये है। इसमें चीन, सऊदी अरब और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से लिया गया लोन भी है।रिपोर्ट के अनुसार, एफ-16 ब्लॉक 52 फाइटर जेट के 4 जंगी जेट भी नष्ट हुए थे। इससे कुल करीब 350 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। वहीं, पाक वायुसेना के 1 साब 2000 एरीये एईडब्लूएंडसी भी नष्ट हुआ है, जिसकी कीमत 35 मिलियन डॉलर बताई जा रही है।भारत के हमले में पाकिस्तान को एक बड़ा नुकसान यह हुआ कि उसकी बेहद ताकतवर मानी जाने वाली शाहीन क्लास की 2 मिसाइलें भी तबाह हो गईं। इससे पाकिस्तान को 8 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, आईएल-78 रिफ्यूलिंग टैंकर भी नष्ट हुआ है, जिसकी कीमत 35 मिलियन डॉलर बताई जा रही है। वहीं, सीएम-400एकेजी मिसाइल भी तबाह हुआ है, जिसकी कीमत 3.2 मिलियन डॉलर बताई जा रही है।रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि तुर्की के 6 बायरात्कर टीबी2यूसीएवी ताकतवर ड्रोन भी भारत के हमलों में तबाह हो गए हैं। मिलियन डॉलर है। इसके अलावा, गोलीबारी में पाकिस्तानी वायुसेना के 4 लड़ाकू विमान भी तबाह हो गए।भारतीय सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली द्वारा पाकिस्तान वायुसेना के 2 एफ-16 सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने के बाद, पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। इससे पाकिस्तान का सरगोधा एयरबेस क्षतिग्रस्त हो गया और मरम्मत कार्य के लिए कम से कम 100 मिलियन डॉलर की आवश्यकता है। एफ-16 पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस से उड़ा था, जो पाकिस्तानी वायु सेना का एक प्रमुख एयर फोर्स स्टेशन है।रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान पर चौतरफा हमले के बाद पाकिस्तान को कुल करीब 29 हजार करोड़ रुपए (3.4 बिलियन डॉलर) को नुकसान हुआ है। पाकिस्तान को यह आर्थिक नुकसान तब हुआ है जब पाकिस्तान पहले ही गंभीर आर्थिक संकट, कर्ज और आइएमएफ की शर्तों से जूझ रहा है। एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम किसी भी देश की वायु सुरक्षा में रीढ़ की हड्डी के समान होता है। यह विमान 400 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी तक दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। पाकिस्तान के पास 9 ऐसे सिस्टम हैं, जिनमें स्वीडन से लिया गया साब-2000 चीन वाला सिस्टम पहले ही रिटायर हो चुका है, इसलिए आशंका है कि इस कार्रवाई में गिराया गया विमान ऐ-2000 गैब ही था। इस विमान की कीमत 100-150 मिलियन डॉलर (830-1245 करोड़ करोड़ रुपए) के बीच होती है। लेकिन जब इसमें रडार सिस्टम, कंट्रोल यूनिट, लॉजिस्टिक और ट्रेनिंग शामिल कर दी जाएं, तो यह लागत 200 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाती है।

टेरर फंडिंग पर पाकिस्तान की आर्थिक कमर तोड़ने की तैयारी, वर्ल्ड बैंक और एफएटीएफ से संपर्क कर सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने की

तैयारी में है। वह वर्ल्ड बैंक और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जैसे संगठनों का दरवाजा खटखटाने की कोशिश करेगा। भारत चाहता है कि पाकिस्तान को मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मदद पर रोक लगे, ताकि वह इसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए न कर पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत वर्ल्ड बैंक से जून में पाकिस्तान को मिलने वाले 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पैकेज पर फिर से विचार करने को कहेगा। इसके साथ ही भारत फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स से पाकिस्तान को फिर से 'ग्रे लिस्ट' में डालने के लिए भी कहेगा। एफएटीएफ से पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में रखने का मतलब होगा,उसके वित्तीय लेनदेन पर कड़ी नजर रखी जा सकेगी। वहां विदेशी निवेश और पूंजी आने में दिक्कत हो सकती है। पाकिस्तान को जून 2018 में एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में डाला गया था। लेकिन, अक्टूबर 2022 में उसे इस लिस्ट से हटा दिया गया। पाकिस्तान सरकार ने दावा किया था कि उसने आतंकी फंडिंग पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए हैं। उसने आतंकियों को जेल में डाला और उनकी संपत्तियां जब्त की। लेकिन, पहलगाम आतंकी हमला गवाह है कि पाकिस्तान की कथनी और करनी में कोई मेल नहीं है।दरअसल, भारत के विरोध के बावजूद जिस तरह से आइएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने पाकिस्तान को 9 मई को 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बेलआउट पैकेज दे दिया और उसे जायज भी ठहरा रहा है, उससे भारत में गहरी निराशा हुई है। यह बेलआउट पैकेज ऐसे समय में दिया गया, जब पाकिस्तान के हाथ पहलगाम के बेगुनाह 26 लोगों के खून से रंगे हुए हैं। यही वजह है कि भारत अब पाकिस्तान की आर्थिक हालत खराब करने के लिए बाकी विकल्पों पर विचार कर रहा है। वह चाहता है कि पाकिस्तान को आसानी से लोन और बेलआउट पैकेज मिलने पर रोक लगे।वर्ल्ड बैंक पाकिस्तान को कई तरह के प्रोजेक्ट के लिए लोन देता है। अगर वर्ल्ड बैंक पाकिस्तान को लोन देना बंद कर देता है, तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगेगा। इसी तरह, एफएटीएफ एक ऐसी संस्था है, जो आतंकी फंडिंग पर नजर रखती है। अगर एफएटीएफ पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में डाल देता है, तो पाकिस्तान के लिए विदेशी निवेश हासिल करना मुश्किल हो जाएगा। पहलगाम आतंकी हमला इसके लिए बहुत बड़ा साक्ष्य है। भारत का मानना है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है, इसलिए उसे आर्थिक मदद नहीं मिलनी चाहिए। भारत चाहता है कि पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम लगाए, तभी उसे आर्थिक मदद मिले। पाकिस्तान का कहना है कि उसने आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। लेकिन, भारत का मानना है कि पाकिस्तान के दावे झूठे हैं।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की भारत को धमकी, कहा- तुम हमारा पानी बंद करोगे, हम तुम्हारी सांस बंद कर देंगे

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने

भारत को धमकी भरा बयान दिया है। शरीफ ने एक बयान में कहा, अगर तुम (भारत) हमारा पानी बंद करोगे, तो हम तुम्हारी सांसें बंद कर देंगे। प्रवक्ता चौधरी ने यह बयान पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान की। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया है। हालांकि, यह वीडियो किस कार्यक्रम और जगह का है, इसकी फिलहाल जानकारी नहीं है। दरअसल भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल संधि स्थगित कर दी है और पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोक दिया है।चौधरी ने कहा भारत सोचता है कि वह पाकिस्तान का पानी रोक देगा। यह एक पागलपन से भरी सोच है। 24 करोड़ लोगों का पानी रोकना संभव ही नहीं है। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान में 6 नदियां कश्मीर से निकलती हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के तहत कश्मीर एक विवादित इलाका है। अगर कश्मीर के लोग पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला करते हैं तो ये सभी नदियां पाकिस्तान की होंगी। भारत के पास इनमें से किसी नदी का अधिकार नहीं रह जाएगा।पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार गुरुवार को दावा किया कि चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं होगा। डार ने कहा हाल में उनकी बीजिंग यात्रा के दौरान तीनों देशों की विदेश मंत्री की बैठक में यह फैसला लिया गया। इस्लामाबाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ डिप्लोमेटिक संबंध बढ़ाने पर जोर देगा।डार ने कहा कि हम आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी सरकार का स्पष्ट रुख है कि हम आतंकवाद से उसी तरह निपटेंगे जैसे हमने 2013 और 2018 में किया था।पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने गुरुवार को आर्मी चीफ आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का बैटन सौंपा। मुनीर का यह प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। पाकिस्तान में आसिम मुनीर से पहले 1959 में सैन्य तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित कर दिया था। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च सैन्य रैंक है, जो एक फाइव स्टार रैंक मानी जाती है। यह रैंक जनरल (फोर स्टार) से ऊपर है। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का पद सेना, नौसेना और वायुसेना में सबसे ऊंचा होता है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को कहा कि उनकी देश की सेना ने इस विचार को गलत साबित कर दिया कि पारंपरिक युद्ध में भारत पाकिस्तान से बेहतर है। शरीफ गुरुवार को भारत पाकिस्तान संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा चेक देने मुजफ्फराबाद पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों से लैस पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध छिड़ गया था, जो खतरनाक मोड़ ले सकता था। इसका रिजल्ट खतरनाक हो सकता था।पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को दावा किया कि पाकिस्तान में एक्टिव दो बड़े उग्रवादी गुट भारत के इशारे पर काम कर रहे हैं। जियो न्यूज के एक प्रोग्राम में उन्होंने कहा कि बलूच आर्मी और तालिबान पाकिस्तान भारत प्रॉक्सी संगठन हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक स्कूल बस पर हुए हमले में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। इसे लेकर ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि वो इस मामले में भारत के शामिल होने के सबूत पेश करेंगे। हमले के बाद पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर खुद क्वेटा पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। शरीफ ने इस हमले के पीछे 'फितना अल हिंदुस्तान' को जिम्मेदार बताया था। भारत ने पीएम शहबाज के आरोप का खंडन किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान के आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है। आतंकवाद से ध्यान भटकाने की ये पाकिस्तान की एक और रणनीति है। पाकिस्तान की यह आदत बन चुकी है कि वह अपनी आतंकवाद समर्थक छवि और आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए हर बार भारत पर आरोप मढ़ता है।

जान से मार देते तो अच्छा होता, बुरी तरह से जलील किया, पीएमसीएच में पीटने के बाद पहली बार बोले मनीष कश्यप

पटना। पिछले दिनों पटना के पीएमसीएच में जूनियर डॉक्टरों की पीएमसीएच में महिला डॉक्टर से छेड़खानी की। इसपर मनीष ने कहा

पिटाई में घायल हुए यूट्यूबर और बीजेपी नेता मनीष कश्यप की हालत में सुधार हुआ है। इसके बाद मीडिया से बातचीत में मनीष कश्यप ने आरोप लगाया कि उस दिन ना केवल उनकी पिटाई की गई बल्कि उनकी जान लेने की प्लानिंग थी। मनीष कश्यप ने कहा कि पीएमसीएच में उन्हें घेरकर मारा गया। वह केवल मारा नहीं गया, बल्कि जान से मारने का प्रयास हुआ था। वो तो बिहार की बहुत सारी मां-बहनों और बहुत सारे लोगों का आशीर्वाद था कि मेरी जान बची, वरना वो लोग तो मेरी जान ही लेना चाहते थे। उन्होंने बताया कि चंपारण जिले के रक्सौल की एक छोटी बहन के इलाज की बात रही, वह केवल 16-17 साल की है और उसे गंभीर बिमारी है, उन्हीं को उचित इलाज कराने की पैरवी करने पीएमसीएच गया था।मनीष कश्यप से पूछा गया कि आपके साथ मारपीट हुई जिसके बाद भी उन्होंने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं कराया? इसपन मनीष कश्यप ने कहा कि तमिलनाडु प्रकरण की सच्चाई सभी जानते हैं। किस प्रकार से पत्रकारों को फोन कर कहा गया था कि मनीष कश्यप के समर्थन में वीडियो चलाओगे तो तुम्हें ये कर दिया जाएगा। बहुत सारी ऑडियो रेकॉर्डिंग है। अररिया के पत्रकारों को धमकाने का भी ऑडियो है। उसके बाद भी मैं नौ महीने जेल में रहा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बिहार पुलिस पर भरोसा है। बिहार पुलिस की वजह से ही उनकी जान बची। मैं पहली बार बिहार पुलिस की प्रशंसा कर रहा हूं। लेकिन पुलिस किसी के अंडर में काम करती है। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने कि पूरा बिहार और देश जानता है कि जब कोई फंसता है तो वह महिला कार्ड खेलता है। आधा से ज्यादा छेड़खानी के केस झूठे हैं।मनीष ने कहा कि उन्होंने केवल उस लड़की के इलाज के लिए बात करने पहुंचे थे। इसपर डॉक्टर ने कहा कि उनके पास कोई रिपोर्ट होगा तभी तो वह इलाज करेंगे। मनीष का कहना है कि उन्होंने इसपर कहा कि वह रिपोर्ट ले आएंगे तो क्या वह इलाज करेंगे। इसपर डॉक्टर ने कहा कि रिपोर्ट आप कहां से ले आएंगे, उसे आने में 48 घंटे लगते हैं। मनीष 15 मिनट में रिपोर्ट लेकर आ गए और महिला डॉक्टर को बहन कहकर संबोधित करते हुए इलाज शुरू करने के लिए कहा। मनीष कश्यप का दावा है कि महिला डॉक्टर खुद को बहन कहकर पुकारे जाने पर भड़क गईं।मनीष कश्यप ने बताया कि पांच मिनट के अंदर ही वहां सौ दो सौ लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद डेप्युटी सुप्रीटेंडेंट और सुप्रीटेंडेंट के केबिन के बीच में जो जगह है वहीं पर मारपीट की गई। मनीष ने आरोप लगाया कि करीब तीन घंटे तक उन लोगों ने बंधक बनाकर रखा। मनीष ने यह भी कहा कि वहां मौजूद डॉक्टरों में कुछ अच्छे भी थे, इसलिए उनकी जान बची है। मारपीट की घटना पर बीजेपी की चुप्पी पर मनीष कश्यप ने कहा कि पार्टी में बने रहने या छोड़ने पर वह सभी लोगों के साथ बैठकर फैसला लेंगे। मनीष ने कहा कि अब मेरे पास बचा क्या है। उनलोगों ने मुझे जलील किया। कम से कम वो लोग मुझे मार देते तो मेरी शव यात्रा में सैंकडो लोगों की भीड़ जुटती। मेरे साथ गलत हुआ, ऐसा नहीं होना चाहिए था।

चपरासी ने सांसद महोदय को 39 सेकेंड में बकी 27 गाली! ऑडियो वायरल हुआ तो नेताओं से अफसरों तक के उड़े होश

कानपुर। कानपुर के बिल्हौर में एक प्राइमरी स्कूल के चपरासी का ऑडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह एक सांसद और अन्य नेताओं को भद्दी गालियां दे रहा है। ऑडियो में चपरासी ने 39 सेकंड में 27 गालियां दीं, जिससे नेताओं और अफसरों में सनसनी फैल गई।कानपुर के बिल्हौर में एक प्राइमरी स्कूल के चपरासी का ऑडियो वायरल है। वह फोन पर बात करते हुए एक सांसद सहित अन्य कई नेताओं को ताबड़तोड़ गाली बकता सुनाई पड़ रहा है। यहां ऑडियो में एक सांसद को

39 सेकेंड में 27 गालियां दी गईं। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है और बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है।सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो करीब 23 मिनट का है। इसमें चपरासी और एक स्थानीय नेता के बीच बातचीत होने का दावा किया रहा है। हालांकि एनबीटी ऑनलाइन इस वायरल ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो के संज्ञान में आने के बाद बिल्हौर पुलिस ने एक ग्राम प्रधान को पूछताछ के लिए देर रात तक थाने में बैठाए रखा। शिवराजपुर क्षेत्र के एक जनप्रतिनिधि उसकी सिफारिश के लिए पहुंचे।ऑडियो में चपरासी अपनी बात नमस्कार बंदगी से शुरू करता है और फिर सिलसिला एक ठेकेदार से होते हुए सांसद तक पहुंचता है। चपरासी ने कुछ अन्य नेताओं के साथ ही न्यायपालिका और अफसरशाही पर भी निशाना साधा।

दीपक निकला शारिक! कलमा पढ़ने की धमकी, प्राइवेट पार्ट में डाल देता था बीयर लव जिहाद का सनसनीखेज मामला

आगरा। हिंदू युवती को जाल में फंसाकर उसके साथ प्रेम संबंध बनाए।

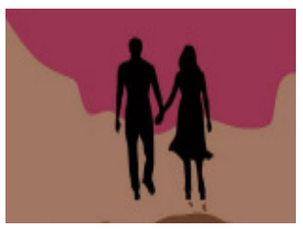

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर 14 साल तक उसकी अस्मत के साथ खिलवाड़ किया। युवती ने हिम्मत जुटाकर आरोपी के खिलाफ थाना न्यू आगरा में केस दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि उसके साथ जबरन निकाह करने के लिए धर्म परिवर्तन का दवाब बनाया जा रहा है।उत्तर प्रदेश आगरा में लव जिहाद का एक मामला सामने आया है। एक मुस्लिम युवक नाम बदल कर हिंदू युवती की अस्मत लूटता रहा। सच्चाई जानने के बाद जब उसने शिकायत की तो पैसे और पॉवर के बल पर उसे दबाता रहा। शहर छोड़ने के बाद भी उसका पीछा नहीं छोड़ा। धर्म परिवर्तन की धमकी देकर जबरन उसके साथ निकाह करना चाहता है। पिछले 14 साल से युवती शातिर के आतंक के जाल में फंसी है। अश्लील वीडियो बनाकर वह उसे लगातार धमका रहा है। पीड़िता की शिकायत पर थाना न्यू आगरा पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीड़िता थाना न्यू आगरा स्थित एक कोचिंग में पढ़ती थी। इंद्रपुरी न्यू आगरा का रहने वाला शारिक अब्बास पुत्र अजादर हुसैन भी कोचिंग में पढ़ने आया। उसने अपना दीपक राय बताया था। आरोपी ने युवती से नजदीकियां बनाईं। उसके घर जाकर शारीरिक संबंध बना लिए। ये घटना साल 2012 की थी।जब वह 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। 2 साल तक वह दीपक बना रहा और उसके साथ मंदिर में पूजा पाठ करने भी जाता था। जब उसे आरोपी की सच्चाई पता चली तो वह उससे अलग हो गई। मगर शातिर ने उसे लगातार धमकाता रहा।

सम्पादकीय

आप जानते हैं 'सिटिंग एडिक्शन' और 'वर्ल्ड नो टोबैको वीक' में भी संबंध है?

उन दिनों, जब मैं संपादक हुआ करता था, तब अगर मेरे रिपोर्टर

अपनी डेस्क पर नहीं मिलते थे, तो मैं सीधे वॉटर कूलर के पास पहुंच जाता था। उनमें से कम से कम दो लोग वहां गहरी चर्चा करते हुए मिल जाते थे। मुझे देखते ही वे बिना पूछे कहते, 'बस पानी पीने आए थे!' लेकिन आजकल के दफ्तरों में वॉटर कूलर के पास खड़े होकर, बीती रात देखे गए टीवी सीरियल की चर्चा करने वाले दिन चले गए हैं।आज अगर आप चाहते हैं कि जेन ज़ी को किसी शो के बारे में पता चले, तो उस शो की रील उनकी सोशल मीडिया फीड पर वायरल होनी चाहिए, कई चैनल मालिक इस बात को बखूबी जानते हैं! टीवी सीरियल निर्माताओं के लिए वॉटर कूलर्स के जरिए इन युवा दर्शकों तक पहुंचना मुश्किल है। इसलिए ताज्जुब की बात नहीं कि वे अब छोटे-छोटे कंटेंट सोशल मीडिया पर डालते हैं।इससे मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि ये जेन ज़ी छोटी फीड किस तरह देखती है। इस शुक्रवार को जब मैं एक ग्लोबल आईटी कंपनी गया, तो वहां मेरे दिमाग का एंटीना एकदम सतर्कता वाले मोड में था, वहां मैंने देखा कि जेन ज़ी के लोग सबसे पहले बैठने का मौका तलाश रहे थे, फिर चाहे कहीं भी हो।मैंने देखा कि एक युवा की नजरें कमरे में खाली कुर्सी ढूंढ रही थीं। उसके दिमाग में चल रहा था, 'वहां एक खाली कुर्सी है।' अगर मैं जल्दी पहुंचा तो मुझे मिल जाएगी।' दूसरा व्यक्ति जो कुछ सेकंड बाद आया, उसने सोचा, 'मैं बिना बैठे मीटिंग में शामिल नहीं होऊंगा।मेरे पास लाइट कॉल है। अगर मुझे बैठने की जगह नहीं मिली तो मैं माफी मांग लूंगा।' मैंने सोचा कि अगर दोनों एक साथ कमरे में आते और दोनों की नजरें उसी खाली कुर्सी पर होतीं, तो यह एक म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता जैसा होता।मीटिंग के बाद मेट्रो में यात्रा करते समय मैंने उसी जेन ज़ी वाले युवा को देखा जो खड़ा था और उसकी नजरें यह गुणा-भाग कर रही थीं कि कौन सा व्यक्ति अगले स्टेशन पर उतरेगा। जब उसकी गणना गलत हो गई, तो उसके चेहरे पर स्पष्ट निराशा दिखी।वह खड़े होने की जगह बदलता रहा ताकि अगले स्टेशन पर उतरने वाले व्यक्ति को देख सके। यही जेनरेशन एयरपोर्ट पर भी देखी जा सकती है, जहां सभी सीटें भरी होती हैं, तो वे फर्श पर आराम से बैठ जाते हैं। रेलवे स्टेशनों पर भी यही हाल है। कुछ इसे आधुनिक स्टाइल मानते हैं और कुछ सोचते हैं कि 'किसे परवाह है।' याद रखिए इसका संबंध दूसरों की राय से नहीं, बल्कि खुद से जुड़ा है।दुर्भाग्यवश, वे यह नहीं समझते कि वे बैठने की लत के चरम पर पहुंच चुके हैं! अगर आप भी लंबे समय तक बैठते हैं, तो यह चेतावनी आपके लिए है। इस सप्ताह प्रकाशित एक शोध के अनुसार, बैठने की लत आपके मस्तिष्क को सिकोड़ सकती है, जिससे संज्ञानात्मक समस्याएं हो सकती हैं और जीवन के बाद के वर्षों में विभिन्न प्रकार के डिमेंशिया का खतरा बढ़ सकता है।एक लेख में कहा गया है, 'बैठना नए तरह का धूम्रपान है।' हर साल 31 मई को मनाया जाने वाला 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में जनता को जागरूक करता है। आपको राज की बात बताऊं? जो लोग बैठे रहते हैं, वे भले ही नॉन-स्मोकर्स हों, लेकिन जैसे स्मोकर्स खिड़की से सिगरेट बट फेंकने के लिए उठते हैं, वैसे ही बैठने की इस आदत को खिड़की से बाहर फेंकने के लिए उठिए, क्योंकि यह स्मोकिंग से कम नहीं है! शोधकर्ताओं का तो यही कहना है।फंडा यह है कि लंबे समय तक बैठना एक लत की तरह है, जो शुरू करना आसान है लेकिन छोड़ना मुश्किल। इस आदत को छोड़ दें, नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब 'एल्कोहलिक एनोनिमस' की तरह ही 'सिटोहोलिक्स एनोनिमस' जैसे संगठन भी मशरूम की तरह फैलने लगेंगे।

नीरजा चौधरी का कॉलम, अब भारतीय राजनीति में 'थरूर फैक्टर' के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वे हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी।हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे 'सरकारी प्रतिनिधिमंडल' का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे। वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है। थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए 'सम्मान' बताया। उन्होंने कहा कि 'जब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।' थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा।वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास 'दूसरे विकल्प' भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा।मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है।यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।भाजपा यह साबित करने में तो निश्चय ही सफल हुई है कि कांग्रेस में शशि थरूर जैसे अनेक सक्षम, वाकपटु और अनुभवी नेता हैं, जिनको मौका मिले तो वे गांधी परिवार की तुलना में पार्टी का बेहतर तरीके से नेतृत्व कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31इ तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5इ से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है।एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम

योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12फीसदी है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे।1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया। 2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70फीसदा संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है।स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है।वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।हाल के चुनावों में, राजनीतिक गुस्सा असमानता नहीं अप्रवासियों और अपराध पर केंद्रित रहा है। कई प्रमुख व्यवसायी अपनी संपत्ति का दिखावा करने के बजाय दान देने के लिए अधिक जाने जाते हैं। लेकिन मेरे थ्री-बिलियनेअर्स मेट्रिक्स पर स्वीडन की समग्र रैंकिंग मेरे द्वारा ट्रैक किए जाने वाले 20 देशों में सबसे खराब है, और यह अच्छा संकेत नहीं है।मैंने 2010 में ये विश्लेषण शुरू किए थे, जब भारत में 'बैड बिलियनेअर्स' की बढ़ती सम्पत्ति ने वेल्थ-क्रिएशन के खिलाफ ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जो व्यावसायिक-गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त थी। इसके बाद वाले दशक में अरबपतियों के मेट्रिक्स पर निराशाजनक परिणाम ने दुनिया भर में विद्रोहों का संकेत दिया। इनमें चिली में 2019 में सामाजिक-विषमता के खिलाफ बड़े पैमाने पर दंगे भड़कने से पहले और फ्रांस में 2023 में 'टैक्स-द-रिच' रैलियों के फैलने से पहले हुए विद्रोह शामिल हैं। पेरिस के विरोध-प्रदर्शनों में तो शीर्ष अरबपतियों को नाम लेकर निशाना बनाया गया था। अर्थव्यवस्था में वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना जरूरी तो है, लेकिन संतुलन भी आवश्यक है। अरबपतियों के हाथों में बहुत ज्यादा पैसा केंद्रित होने से राजनीतिक प्रतिरोध या नीतिगत उलटफेर का खतरा पैदा हो जाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती

थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लेटर ऑफ पर्पस' (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहराती। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया। जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, 'ओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है।' उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच `ल्ब.म्दस के एक सर्वे से पता चला है कि 89इ कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72फीसदी कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैंः 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। 3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचर्चाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी। 4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी। 5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें। फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते

जीवन की तरह कूटनीति में भी जो अनकहा रह जाता है, वह

कहे जितना ही मुखर होता है। जब ट्रम्प ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद संघर्ष-विराम की घोषणा-जाहिराना तौर पर श्रेय लेने की गरज से- की, तो आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर उनकी चुप्पी बहुत मुखर थी।भला अमेरिका यह कैसे भूल सकता है कि वह मानव इतिहास में सबसे घातक इस्लामिक आतंकवादी हमले का शिकार हुआ था, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन-टॉवर को नष्ट कर दिया गया था और पेंटागन पर भी हमला किया गया था।अल-कायदा के ओसामा बिन लादेन की सरपरस्ती में हुए उस हमले में 2977 अमेरिकी मारे गए थे, हजारों घायल हुए थे, 10 अरब डॉलर से अधिक की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी और 430,000 लोगों की नौकरी चली गई थी। उसके बाद से 9/11 को 2000 और अकाल-मृत्युओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, और टॉक्सिक-एक्स्पोजर के कारण उस हादसे से जीवित बचे लोगों में भी कैंसर का खतरा 30इ बढ़ गया है।अमेरिका को लादेन को खोजकर मारने में दस साल लगे और उसे इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। और लादेन कहां मिला? एबटाबाद में पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा मुहैया कराए एक कड़ी सुरक्षा वाले घर में, जहां वह परिवार के साथ मजे से रह रहा था। यह भवन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी से कुछ ही दूरी पर था। अगर यह आतंकवाद से पाकिस्तानी-तंत्र की मिलीभगत का खुलासा नहीं करता तो और क्या करता है?आज भी पाकिस्तान में दर्जनों ऐसे आतंकवादी समूह और व्यक्ति हैं, जिन पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है। इनमें मसूद अजहर के नेतृत्व वाला जैश-ए-मोहम्मद भी शामिल है। मसूद 2019 से ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल है।लश्कर-ए-तैयबा और हाफिज सईद के नेतृत्व वाला उसका प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा भी अमेरिका, ईयू, रूस और भारत द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में नामजद है। 2008 के मुंबई हमले के पीछे जिस जाकिर रहमान लखी का दिमाग था, वह यूएन सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध-सूची में शुमार है। हिज्बुल मुजाहिदीन का लीडर सैयद सलाहुद्दीन और 1993 मुंबई धमाकों के ?लिए जिम्मेदार दाऊद इब्राहिम को भी अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है। आतंकवाद के प्रायोजकों पर अमेरिकी सरकार की एक अधिकृत सूची पाकिस्तान को आतंक की ऐसी 'सुरक्षित पनाहगाह' बताती है, जहां आतंकवादी और उनके समूह हुकूमत की मदद से दहशतगर्दी को अंजाम देने की योजनाएं बना सकते हैं, धन जुटा सकते हैं, भर्तियां कर सकते हैं, रंगरूटों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। लेकिन अमेरिका और यूएन ने जिन आतंकवादियों को प्रतिबंधित किया है, वे पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। इस सबके बावजूद ट्रम्प ने संघर्ष-विराम की घोषणा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक साथ कैसे जोड़ दिया? उन्हें पता था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित पहलगाम हमले के प्रतिशोध के रूप में शुरू किया गया था। एक ऐसा देश- जिसने खुद पाकिस्तान में पनाह लेने वाले लादेन को खोजकर मार गिराया था- उसी का राष्ट्रपति सीजफायर के बाद पाकिस्तान प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की निंदा किए बिना भारत और पाकिस्तान दोनों को उनके बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय के लिए कैसे बधाई दे सकता है? दशकों से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने जवाबदेही से बचते हुए रियायतें पाने के लिए अपनी भू-राजनीतिक स्थिति का लाभ उठाने की कला में महारत हासिल की है। लेकिन भारत को इन दोहरे मानदंडों का कड़ा विरोध करना होगा। दुनिया ने पाकिस्तान की हकीकत से न केवल आंखें मूंद ली हैं, बल्कि आईएमएफ ने एक बार फिर इस आतंकवादी देश को पुरस्कृत भी किया। लेकिन भारत के पास इस तरह से अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का साहसिक प्रयास था। इसके माध्यम से हमने संदेश दिया कि निष्क्रिय सहिष्णुता का युग समाप्त हो गया है। लेकिन जहां भारत ने निर्णायक रूप से कार्रवाई की, वहीं इस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया बहुत लुंज-पुंज थी। आतंकवादियों को पनाह देने में पाकिस्तान की भूमिका की स्पष्ट निंदा करने से दुनिया ने जैसी कोताही बरती, वह इस संगीन हकीकत को उजागर करती है कि हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हमें ही लड़नी होगी।भारत के पास आतंकवाद के अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

राजदीप सरदेसाई का कॉलम, किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा 'तंत्र' है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने 'माय नेम इज रहीम खान' शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के? लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक 'माय नेम इज अली खान महमूदाबाद' होना चाहिए था। फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है। उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य 'सरकारी' संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के? लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है। याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक 'समूह' ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था।एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि 'बोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है!' हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से करें, जिन्होंने कर्नल कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक और साम्प्रदायिक टिप्पणी की थी। शाह को मंत्री पद से हटाने या सार्वजनिक रूप से फटकारने के बजाय भाजपा-नेतृत्व इस पर चुप है। मंत्री ने दिखावटी माफी मांग ली है। तब हाईकोर्ट को स्वतः संज्ञान लेकर मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर जोर देना पड़ा और सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री की टिप्पणी को 'राष्ट्रीय शर्म' बताया। कोर्ट द्वारा इस मामले में एसआईटी नियुक्त करने के बावजूद पुलिस ने दिल्ली के अली खान मामले की तरह गिरफ्तारी के लिए सक्रियता नहीं दिखाई है। किसी पर रहम और किसी को सजा- क्या यही 'नया भारत' है? कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। यकीन न हो तो अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से करके देख लें।(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

अभय कुमार दुबे का कॉलम, पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होने के आसार बन रहे हैं

पाकिस्तान 1971 में एक बार विभाजित हो चुका है। 50 साल बाद उसके दूसरे विभाजन के अंदेशों को खारिज नहीं किया जा सकता। अगर पाकिस्तान इस बार टूटा तो कई टुकड़ों में बंट जाएगा। इस मसले में पहला सवाल यह है कि क्या पिछली बार हुए विभाजन का मॉडल फिर से दोहराया जा सकता है? पिछले मॉडल में तीन बातें खास थीं। भारत के सैनिक हस्तक्षेप ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। 70 के दशक में चल रहे शीतयुद्ध के हालात में अमेरिका की पाकिस्तानपरस्ती को सोवियत संघ के भारत-समर्थन ने प्रभावहीन कर दिया था। उस समय का पाकिस्तान पहले से ही बेहद अस्वाभाविक दो दूरदराज भौगोलिक हिस्सों में बंटा था। पाकिस्तान के विभाजन का एक दूसरा संभावित मॉडल भी है, जो वहां की भीतरी राजनीति की विकृतियों के कारण हो सकने वाले अंतःविस्फोटों से जुड़ा है। इन भीतरी विस्फोटों के अंदेशे सबसे पहले 2022 में प्रबलता से सामने आए थे, जब पाकिस्तान के एक बड़े नेता ने खुलेआम सिलसिलेवार बताया था कि पाकिस्तान अगर टूटेगा तो कैसे और क्यों टूटेगा। यह वक्तव्य इमरान खान का था, जो प्रधानमंत्री रह चुके थे और मांग कर रहे थे कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाये जाएं ताकि पाकिस्तान को टूट के खतरे से बचाया जा सके। इमरान ने कहा था : 'अगर एस्टैब्लिशमेंट सही फैसले नहीं करेगा, तो ये भी तबाह होंगे। अगर हम डिफॉल्ट कर जाते हैं तो सबसे बड़ा इदारा कौन-सा है जो हिट होगा? पाकिस्तानी फौज। जब फौज हिट होगी तो उसके बाद हमारे से कंसेशन क्या ली जाएगी? जो यूक्रेन से ली थी डी-न्यूक्लियराइज करने की। सबसे बड़ा मसला तो यह है कि हमारा वाहिद मुसलमान मुल्क है, जिसके पास न्यूक्लियर डिटरेंट है। वो चला गया तो क्या होगा? पाकिस्तान के तीन हिस्से होंगे।यहां इमरान अलग सिंध राष्ट्र, पख्तून राष्ट्र और बलूच राष्ट्र की तरफ इशारा करते सुनाई दे रहे हैं। बाकी रह जाएगा केवल पंजाब वाला पाकिस्तान। जिस समय का यह वक्तव्य है, उस समय सिंध में बार-बार कर्फ्यू लगाया जा रहा था। खैबर-पख्तूनख्वा के नेता अपनी प्रादेशिक फौज को इस्लामाबाद के खिलाफ इस्तेमाल करने की धमकी दे रहे थे। बलूचिस्तान में हथियारबंद बागी सेना पर हमले कर रहे थे। आज इमरान जेल में हैं। उनकी पार्टी राजनीतिक रूप से तकरीबन निष्क्रिय कर दी गई है। शाहबाज शरीफ फौज के प्यादे की तरह हुकूमत कर रहे हैं। इस बात को अमेरिका जानता है और इसीलिए विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत से संघर्ष-विराम करवाने के लिए शरीफ से पहले जनरल आसिम मुनीर से बात की थी। अगर अमेरिका ने मेहरबानी करके आईएमएफ से सवा दो अरब डॉलर न दिलवाए होते, तो वही डिफॉल्ट वाली हालत बन जाती जिसका इमरान ने जिक्र किया।पाकिस्तान को विभाजन से तीन ताकतें रोके हुए हैं- उसकी फौज, अमेरिका और चीन। फौज ने वास्तविक राजनीतिक प्रक्रिया को स्थगित करके पूरी तरह से फर्जी राजनीतिक प्रक्रिया थोप रखी है। इमरान जेल में जरूर हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। अगर आज ईमानदारी से चुनाव हो जाएं तो उन्हें एकतरफा जीत हासिल होगी। अमेरिका पाकिस्तान की दरकती हुई अर्थव्यवस्था को किसी तरह टिकाए हुए है। पाकिस्तान पर अनापशनाप विदेशी ऋण है, और उसका पांचवां हिस्सा चीन का दिया हुआ है। दुनिया की सबसे बड़ी ताकत अमेरिका और उसके बराबर आने की कोशिश कर रहा चीन, दोनों ही चाहते हैं कि पाकिस्तान चार हिस्सों में टूटकर नष्ट न हो। वे चाहते हैं कि दक्षिण एशिया में भारत के उभार को रोकने के लिए पाकिस्तान उसकी टांग खींचने के लिए बना रहे। अगर पाकिस्तान को स्थायी रूप से टिकना है तो वहां राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करनी होगी। चुनी हुई लोकप्रिय सरकार को बलूच, सिंध और पख्तून उपराष्ट्रीयता के नुमाइंदों को वार्ता की मेज पर बैठाना होगा। उन्हें सांस्कृतिक और राजनीतिक स्वायत्तता देनी होगी। भारत ने 1947 के बंटवारे के बाद नगालैंड, मिजोरम, पंजाब, कश्मीर और शुरुआती दौर में तमिलनाडु की अलगाववादी राजनीति को विभिन्न रणनीतियों का इस्तेमाल करके निष्प्रभावी किया, और अपनी राष्ट्रीय एकता की रक्षा करके दिखाई। पाकिस्तानी चाहें तो इस मामले में भारत से सीख सकते हैं।अगर पाकिस्तान को स्थायी रूप से टिकना है तो अपने यहां राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करनी होगी। चुनी हुई लोकप्रिय सरकार को बलूच, सिंध और पख्तून उपराष्ट्रीयता के नुमाइंदों को वार्ता की मेज पर बैठाना होगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

2000 रुपए लेकर मुंबई आए राजकुमार गुप्ता, भूखे रहे, कीड़ों के बीच सोए,आज फिल्में 100 करोड़ पार

नई दिल्ली। साल 2008 में 'आमिर' नाम की एक फिल्म आई थी। उस फिल्म के पोस्टर पर लिखा था- 'कौन कहता है, आदमी अपनी किस्मत खुद लिखता है?', लेकिन इस फिल्म को लिखने और बनाने वाले राइटर-डायरेक्टर राजकुमार गुप्ता ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी किस्मत खुद लिखी है। मायानगरी में किस्मत बनाने के लिए राजकुमार 90 के दशक के आखिर में मुंबई आ गए थे, लेकिन उनकी पहली फिल्म साल 2008 में आई।इस बीच का जो हासिल रहा, वो संघर्ष था। ऐसा संघर्ष, जहां दो टाइम के खाने के बाद अगले निवाले के लिए सोचना पड़े। शेयरिंग के जिस घर में रहे वहां, बारिश के दिनों में कीड़े पड़ जाते थे। भूखे रहकर, कीड़ों के बीच जीवन गुजारा। इस संघर्ष से निकलकर एक मुकाम तक पहुंचने वाले राजकुमार आज इंडस्ट्री के ट्रेंड सेटर डायरेक्टर हैं।लगभग दो दशक के करियर में गिनकर 6 फिल्में और एक सीरीज बनाई है। फिल्में ऐसी, जिन्होंने इंडस्ट्री में ट्रेंड सेट किया है।मेरा बचपन झारखंड के हजारीबाग शहर में बीता। हजारीबाग एक छोटा शहर है, जिसके बारे में लोगों को ढंग से पता भी नहीं। मैंने दसवीं तक की पढ़ाई यहीं से की। बारहवीं के लिए बोकारो चला गया क्योंकि हजारीबाग में अच्छे स्कूल नहीं थे। बारहवीं के बाद ग्रेजुएशन के लिए दिल्ली जाना पड़ा क्योंकि यहां ग्रेजुएशन के लिए अच्छा विकल्प नहीं था।रामजस कॉलेज में ग्रेजुएशन के दौरान मेरी रुचि लिखने में जगी। पढ़ाई खत्म होने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मुझे लिखने का शौक है। कॉलेज के दौरान मैं जिस कॉलोनी में अपने

दोस्तों के साथ रहता था, वहां हमारे एक सीनियर भी रहते थे। वो किसी एडवर्टाइजिंग कंपनी में कॉपी राइटर थे। उन्होंने एक बार अपना कुछ लिखा दिखाया था। उसे देखकर मुझे लगा कि ये तो मैं भी लिख सकता हूं।छोटे शहरों में लोगों की ख्वाहिश ही डॉक्टर, इंजीनियर और आईएएस-आईपीएस की होती है। मेरा पापा बैंकर थे। मेरे माता-पिता भी चाहते थे कि मैं कोई सरकारी नौकरी करूं। पिताजी की ख्वाहिश थी कि मैं अगर आईएएस-आईपीएस न भी बनूं तो कम से कम बैंकर बन जाऊं। मुझ पर इस बात का प्रेशर रहा। पहले के समय में छोटे शहरों के बच्चे फिल्ममेकर बनना है, जैसे सपने नहीं देखते थे। मुझे भी नहीं पता था कि मैं फिल्ममेकर बन जाऊंगा। छोटे शहरों के बच्चे तो दसवीं-बाहरवीं कैसे पास करना है, बस इतना ही सोचते हैं। मैंने ग्रेजुएशन खत्म करने के बाद बैंक में ऑफिसर रैंक का एक एग्जाम दिया और रिटन निकाल लिया था, लेकिन उस समय तक मुझे पता लग गया था कि मैं सरकारी या किसी भी तरह की नौकरी के लिए नहीं बना हूं। मेरा चेन्नई में इंटरव्यू था। मैं वहां गया और मुझसे जो भी सवाल पूछा गया, मैंने जानते हुए भी अलग जवाब दिया। फिर मैंने इसी फील्ड में कुछ करने का सोचा और मुंबई आ गया। यहां आकर मैंने लिखना सीखा। अनुराग कश्यप की कुछ फिल्मों में एसोसिएट डायरेक्टर रहा। इस दौरान भी मैं अपने लिए लिखता रहता था। उस इंटरव्यू की वजह से मेरी नौकरी नहीं लगी। ये बात मैंने अपने पिताजी को अपनी पहली फिल्म के प्रीमियर के बाद बताई थी।छोटे शहरों के लोग मुंबई को सिर्फ फिल्मों में ही देखते थे। फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कोई अवेयरनेस नहीं थी। लोग इस जगह को करियर से जोड़कर नहीं देख पाते थे। हमारे जैसे लोगों के लिए ये सिर्फ मनोरंजन की जगह थी। मैं ग्रेजुएशन के बाद घर में बिना किसी को बताए यहां आ गया था। मेरे पास पॉकेटमनी के दो-ढाई हजार रुपए ही थे। उन पैसों से ही मैंने अपनी जर्नी की शुरुआत की थी।मैं यहां किसी को भी नहीं जानता था। मैं अनुराग कश्यप से 1999 या 2000 में मिला था। जब मैं मिला था, तब वो भी कुछ नहीं कर रहे थे। उनकी फिल्म 'पांच' बन गई थी और रिलीज के लिए अटकी पड़ी थी। अनुराग ने मेरा काम देखा था और वो मुझसे इंप्रेस थे।वो पेजर का जमाना था। हम दोनों पेजर के जरिए एक-दूसरे के टच में रहे। जब अनुराग ने 'ब्लैक फ्राइडे' और 'नो स्मोकिंग' बनाई तो मैं उसमें एसोसिएट डायरेक्टर था। इसके साथ मेरा स्ट्रगल चल ही रहा था। मैं अपनी राइटिंग पर भी काम कर रहा था।मैं 20-21 का रहा हूंगा, जब बस दो-ढाई हजार लेकर मुंबई आ गया था। लिमिटेड बजट था, ऐसे में शुरुआत में दो वक्त के खाने के लिए भी मुझे सोचना पड़ा। मुझे तय करना होता था कि दिन का खाना खाऊं या रात का क्योंकि इतने पैसे नहीं थे कि मैं दोनों वक्त खाना खा पाऊं। संघर्षों के दिनों में वर्सोवा गांव में रहता था। वहां एक छोटे से रूम में चार-पांच लोगों के साथ रहता था।बारिश के दिनों में वो कमरा नरक बन जाता था। पानी आने के बाद पूरे रूम में कीड़े रेंगते थे। ये मेरे संघर्ष के दौर का अहम हिस्सा था, लेकिन मुंबई आकर करियर बनाने की चॉइस भी मेरी ही थी। मैंने बुरे दिनों को भी सिर-माथे लगाया।घर वालों को बिना बताए आया था, उनसे पैसे मांग नहीं सकता था। तमाम चुनौतियों के बाद भी मैंने सोच लिया था कि अब जब घर से निकल गया हूं तो वापस नहीं जाऊंगा। संघर्ष की राह मुझे जहां ले जाती, मैं जाने के लिए तैयार था। मैंने स्ट्रगल से भी कई चीजें सीखीं। मैंने चीजों की वैल्यू भी तभी सीखी।मेरी पहली फिल्म 'आमिर' 2008 में आई थी। मेरे लिए 2003-2006 का दौर बहुत मुश्किल भरा रहा। मैं जब मुंबई आया, उस वक्त 20-21 साल का था। उस वक्त टीवी इंडस्ट्री अच्छी चल रही थी और वहां पैसे भी अच्छे मिल रहे थे। मेरे दोस्त उस वक्त 60 हजार रुपए की नौकरी कर रहे थे। जो आज के हिसाब से 3-4 लाख रुपए की होगी।

'बिग बॉस' का 19वां सीजन हुआ कन्फर्म! सलमान खान ही करेंगे शो को होस्ट, जानिए कब से हो सकता है ऑन एयर

नई दिल्ली। एक्टर सलमान खान के पॉपुलर शो 'बिग बॉस 19' को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बना हुआ था। कहा जा रहा था कि कलर्स टीवी और प्रोडक्शन हाउस बनीजाय एशिया के बीच अनबन के चलते इस बार शो कैंसिल हो सकता है, लेकिन अब फैंस के लिए राहत की खबर है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, 'बिग बॉस' का 19वां सीजन अब कन्फर्म हो गया है और शो जरूर आएगा। इसे एंडेमोल शाइन इंडिया प्रोड्यूस करेगा। सबसे खास बात ये है कि इस बार भी सलमान खान ही शो को होस्ट करेंगे।बताया जा रहा है कि सलमान जून के आखिरी हफ्ते में शो के पहले प्रोमो की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। शो जुलाई में ऑनएयर हो सकता है। हालांकि, अभी तक शो के मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि शो के बड़े स्पॉन्सर के पीछे हटने की वजह से इसका बजट मुश्किल में आ गया है। इसी वजह से शो को रोकने की बात हो रही थी। इसके अलावा खबरें ये भी थीं कि शो को सोनी टीवी पर शिफ्ट किया जा सकता है क्योंकि प्रोडक्शन हाउस और कलर्स टीवी के बीच क्रिएटिव डिफरेंसेज चल रहे हैं। सलमान खान साल 2010

से बिग बॉस के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने सीजन 4 से शो को होस्ट करना शुरू किया था और तब से वे बिग बॉस का चेहरा बन गए हैं। इससे पहले शो को कई अलग-अलग सेलेब्रिटी होस्ट कर चुके हैं। पहले सीजन को अरशद वारसी ने होस्ट किया था और दूसरे की होस्ट शिल्पा शेट्टी थीं। वहीं, अमिताभ बच्चन ने बिग बॉस के तीसरे सीजन को होस्ट किया था। इसके बाद से बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान बिग बॉस के होस्ट हैं।बिग बॉस डच शो 'बिग ब्रदर' के फॉर्मेट पर आधारित है। भारत में इसकी शुरुआत 3 नवंबर 2006 को हुई थी। आज इसकी गिनती देश के सबसे बड़े रियलिटी शो में होती है। हर साल बिग बॉस नए ट्विस्ट और नए कंटेस्टेंट्स के साथ दर्शकों का मनोरंजन करता है। सलमान की होस्टिंग ने इस शो को अलग ही लेवल पर पहुंचा दिया है। हिंदी के अलावा बिग बॉस के कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मराठी वर्जन भी खूब पसंद किए जाते हैं।बता दें कि 'बिग बॉस 19' शूटिंग शुरू होने से पहले ही सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंता फिर से गहरा गई है।

परेश रावल के फिल्म छोड़ने से डायरेक्टर प्रियदर्शन ने कहा- एक्टर का मूवी से भावनात्मक लगाव, सारी तैयारियां खुद करवायी थी

नई दिल्ली। परेश रावल इन दिनों फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। फिल्म का जब ऐलान हुआ था तब इस फिल्म को लेकर परेश रावल काफी एक्साइटेड थे। अब उनके फिल्म छोड़ने के फैसले से हर कोई हैरान है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया किया कि जब परेश रावल के फिल्म छोड़ने की खबर अक्षय कुमार को पता चली, तब वे रोने लगे। दिए एक इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने कहा- फिल्म के लिए सभी कलाकारों के कॉन्ट्रैक्ट साइन हो चुके थे। 10 दिन पहले अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल टीजर भी शूट करने वाले थे, जो आईपीएल फिनाले के दौरान रिलीज होने वाला था। हम सभी 'हेरा फेरी 3' को बनाने के लिए आतुर थे और सभी ने इसके लिए हामी भरी थी। अक्षय ने 'हेरा फेरी 3' बनाने की सारी तैयारियां खुद पूरी करवायी थी।प्रियदर्शन ने बताया- अक्षय कुमार का फिल्म के साथ भावनात्मक लगाव है। जब उनको जब परेश के फिल्म छोड़ने के फैसले के बारे में पता चला तो वे इमोशनल हो गए। वे

रोने लगे और मुझसे पूछा- परेश ऐसा क्यों कर रहे हैं? अगर परेश फिल्म नहीं करना चाहते हैं तो इसकी वजह से अक्षय कुमार को पैसों का नुकसान नहीं होना चाहिए। मैं समझता हूं कि अक्षय ने नोटिस भेजने का कदम क्यों उठाया है? परेश को जो भी फैसला लेना था, एक बार हमसे बात करते। हम सब सालों से दोस्त हैं, एक कॉल पर सारी बात बताई और समझी जा सकती थी।परेश रावल के फिल्म छोड़ने पर बात करते हुए प्रियदर्शन ने कहा- परेश रावल ने मुझे अपने फैसले के बारे में नहीं बताया। हम कई सालों से दोस्त हैं, परेश मुझसे या किसी और से सीधे संपर्क कर सकते थे। पिछले हफ्ते ही हमने अक्षय के साथ 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी की है।परेश रावल ने मुझे मीडिया में अनाउसमेंट के बाद मैसेज भेजा था। उन्होंने लिखा था कि मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं है। मैं आपका बहुत सम्मान करता हूं। फिल्म न करने के मेरे अपने कारण हैं। हम भविष्य में जरूर काम करेंगे। हालांकि, मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की है और उनको मैसेज भेजा है कि मुझे फोन करें।

शिल्पा शिरोडकर के बाद इस बॉलीवुड एक्ट्रेस को हुआ कोरोना,मां भी कोविड पॉजिटिव, रोक दिए सारे काम, जानिए इंस्टाग्राम पर क्या लिखा

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री निकिता दत्ता और उनकी मां कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। फिलहाल निकिता घर पर क्वारैंटाइन हैं और उन्हें हल्के लक्षण हैं। उन्होंने अपने सभी काम फिलहाल के लिए रोक दिए हैं। निकिता दत्ता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'कोविड ने मुझसे और मेरी मां से हेलो कह दिया है। उम्मीद है ये अनचाहा मेहमान ज्यादा दिन नहीं रहेगा। इस छोटे से क्वारैंटाइन के बाद मिलते हैं। सभी लोग सुरक्षित रहें।'निकिता हाल ही में फिल्म 'ज्वेल थीफ' में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म के जरिए अपना 'बॉलीवुड ड्रीम' पूरा होने की बात भी कही थी। उन्होंने कहा था, 'सिद्धार्थ आनंद की दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी बात है। इस फिल्म ने मुझे क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन वाली फीलिंग दी है। सिर्फ डांस करने की बात नहीं है, बल्कि एक्ट्रेस जैसा फील करने का मौका मिला।'बता दें कि निकिता दत्ता ने साल 2012 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने साल 2014 में 'लेकर हम दीवाना दिल फिल्म' से डेब्यू किया। टीवी की दुनिया में उन्होंने 2015 में 'ड्रीम गर्ल' से शुरुआत की और 2016 में 'एक दूजे के वास्ते' से पहचान बनाई। बाद में उन्होंने फिल्म 'गोल्ड' (2018), 'कबीर सिंह' (2019), 'द बिग बुल' और 'डिब्बुक' (2021) जैसी फिल्मों में काम किया। वे वेब सीरीज खाकीः द बिहार चैप्टर (2022) में भी नजर आईं।वहीं, हाल ही में एक और एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'मैं कोरोना पॉजिटिव हूं। सभी मास्क पहनें और सुरक्षित रहें।' अब उन्होंने ठीक होने की जानकारी देते हुए लिखा, 'फाइनली रिकवर कर लिया है। सभी के प्यार के लिए धन्यवाद।'शिल्पा शिरोडकर ने जैसे ही कोरोना संक्रमित होने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी, उनके करीबी दोस्तों और चाहने वालों ने उनके लिए दुआएं करना शुरू कर दिया था। सोनाक्षी सिन्हा और जूही बब्बर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए शिल्पा को अपना ख्याल रखने की बात की थी। इंदिरा कृष्णा और बहन नम्रता शिरोडकर ने भी एक्ट्रेस के जल्द ठीक होने की कामना की थी। वहीं कुछ फैंस कोविड का नाम सुनकर ही हैरान हो गए थे।बता दें कि शिल्पा शिरोडकर वैक्सिनेशन लेने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई थीं। इसकी जानकारी शिल्पा ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी थी। उसके बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपने अनुभव को साझा किया था। शिल्पा ने कहा था उन्हें टीका लगवाने को लेकर कोई संकोच नहीं था क्योंकि उन्हें विज्ञान पर पूरा भरोसा है। उन्होंने यह कहा था कि टीका लगने के बावजूद वो अभी भी कोविड-19 के खिलाफ अपनी सुरक्षा को कम नहीं होने देंगी।शिल्पा शिरोडकर ने साल 1989 में मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म भ्रष्टाचार से बॉलीवुड में कदम रखा था। उन्होंने तेलुगु और तमिल फिल्मों में भी काम किया। इसके अलावा टीवी की दुनिया में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई। 51 साल की शिल्पा ने पिछले साल सलमान खान के बिग बॉस 18 में शिरकत की थी। हालांकि वो फिनाले में जाकर ट्रॉफी से चूक गईं।

तमन्ना भाटिया को 6.20 करोड़ में मिला कॉन्ट्रैक्ट, मैसूर सैंडल सोप की ब्रांड एंबेसडर बनीं एक्ट्रेस, सोशल मीडिया पर विरोध शुरू

नई दिल्ली। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को दो साल के लिए मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। 22 मई को कर्नाटक सरकार की तरफ से एक नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। ऑनलाइन पब्लिश नोटिफिकेशन में कहा गया है कि तमन्ना 2 साल तक सोप की ब्रांड एंबेसडर रहेंगी और इसके लिए उन्हें 6.20 करोड़ रुपए की रकम भुगतान की जाएगी। हालांकि, अब कर्नाटक सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि ब्रांड एंबेसडर के लिए किसी कन्नड़ एक्टर या एक्ट्रेस को क्यों नहीं लिया गया? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने सरकार के फैसले को लेकर आपत्ति जताई। एक यूजर ने सवाल किया, 'कई कन्नड़ अभिनेत्रियां हैं, फिर किसी बाहरी इंसान को क्यों चुना गया?'। एक अन्य ने लिखा, 'हमारी अपनी रुक्मिणी वसंत क्यों नहीं?'एक शख्स ने पूछा, 'प्रणिता क्यों नहीं? घरेलू रूप, कन्नड़ भाषी होने के अलावा वो कर्नाटक, तेलुगु-तमिलनाडु में भी जाना-पहचाना चेहरा हैं।एक अन्य यूजर ने रश्मिका मंदाना और श्रीनिधि शेट्टी को टैग करते हुए लिखा- 'हमारे पास कई कन्नड़ अभिनेत्रियां थीं। उन्हें घरेलू ब्रांड को प्रेजेंट करने का अवसर दिया जाना चाहिए था। सोशल मीडिया पर मिले बैकलेश के बाद कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्री एमबी पाटिल ने सरकार के इस फैसले का बचाव किया है। इन सारे सवालों को एड्रेस करते हुए मंत्री एमबी पाटिल ने अपने एक्स पर लिखा- 'केएसडीएल कन्नड़ फिल्म उद्योग के प्रति गहरा सम्मान और आदर रखता है। कुछ कन्नड़ फिल्में तो बॉलीवुड फिल्मों को भी टक्कर दे रही हैं। कर्नाटक में मैसूर सैंडल की बहुत अच्छी ब्रांड रिकॉल है, जिसे और मजबूत किया जाएगा।उन्होंने कहा, हालांकि मैसूर सैंडल का इरादा कर्नाटक से बाहर के बाजारों में भी पहुंच बनाना है। कर्नाटक का गौरव राष्ट्र का रत्न भी है इसलिए यह कई मार्केटिंग एक्सपर्ट्स से बात करने के बाद पीसीयू बोर्ड ने ये फैसला लिया है।मंत्री ने बताया कि ब्रांड एंबेसडर चुनने के लिए काफी विचार-विमर्श और कई बातों पर ध्यान देना पड़ता है। जैसे किसी भी कैटेगरी के लिए उपलब्धता, सोशल मीडिया प्रेजेंस, सबसे महत्वपूर्ण बात ब्रांड, प्रोडक्ट और टारगेट ऑडियंस और चौथी वजह मार्केटिंग फिट और पहुंच। हमारा विजन है कि केएसडीएल 2028 तक 5000 करोड़ का सालाना रेवेन्यू छू ले।बता दें कि मैसूर के राजा कृष्ण राजा वाडियार चतुर्थ ने 1900 के दशक की शुरुआत में बेंगलुरु में एक सरकारी साबुन कारखाना स्थापित किया था। मैसूर सैंडल सोप को 1916 से बनाया जा रहा है। कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड (केएसडीएल) इस साबुन का मैन्युफैक्चरिंग करता है। यह साबुन कर्नाटक में सांस्कृतिक महत्व रखता है।

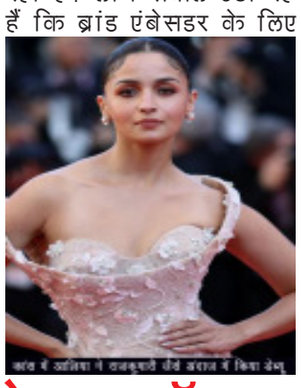

परेश रावल ने लौटाया 'हेरा फेरी 3' का साइनिंग अमाउंट,15फीसदी ब्याज के साथ दिए 11 लाख

नई दिल्ली। एक्टर परेश रावल इन दिनों 'हेरा फेरी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को अक्षय कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। खबरें हैं कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है और इसे लेकर अक्षय कुमार ने उन्हें लीगल नोटिस भेजा है। अब यह बात सामने आई है कि परेश ने शूटिंग के लिए एडवांस में दिए गए 11 लाख रुपए की पूरी रकम लौटा दी है। इतना ही नहीं, उन्होंने रकम के साथ 15 फीसदी ब्याज भी दिया है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्टर परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' से अलग होने के बाद साइनिंग अमाउंट लौटाया है। एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, 'परेश रावल ने 11 लाख रुपए का साइनिंग अमाउंट 15फीसदी सालाना ब्याज के साथ वापस कर दिया है। साथ ही उन्होंने थोड़ा और पैसा भी दिया है क्योंकि वह इस फिल्म से हट गए। परेश रावल को टर्म शीट के अनुसार 11 लाख रुपए साइनिंग अमाउंट के तौर पर दिए गए थे। उनकी कुल फीस 15 करोड़ रुपए तय हुई थी। टर्म शीट में ये भी लिखा था कि परेश रावल को बाकी 14.89 करोड़ रुपए फिल्म की रिलीज के एक महीने बाद ही मिलेंगे। परेश रावल को इस शर्त पर आपत्ति थी।इसके साथ ही सूत्र ने ये भी बताया कि फिल्म की मुख्य शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद थी। इसका मतलब है कि 'हेरा फेरी 3' की रिलीज 2026 के अंत या 2027 तक टल सकती थी। यानी परेश रावल को अपनी बाकी फीस पाने के लिए लगभग दो साल तक इंतजार करना पड़ता।

एक्टर मुकुल देव का निधन, आईसीयू में भर्ती थे,'सन ऑफ सरदार' फिल्म में निभाए किरदार से मिली पॉपुलैरिटी

नई दिल्ली। एक्टर मुकुल देव का 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनके निधन का कारण अब तक सामने नहीं आया है। मुकुल देव हिंदी, पंजाबी और साउथ फिल्मों के साथ-साथ टेलीविजन जगत में भी सक्रिय थे।मुकुल देव ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया। फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में उन्होंने टोनी सिंह संधू का किरदार निभाया था। इस रोल से उन्हें खास पहचान मिली। उन्होंने 'यमला पगला दीवाना', 'आरष्ठ राजकुमार' और 'जय हो' जैसी फिल्मों में भी अहम भूमिकाएं निभाईं।मुकुल देव एक्टर राहुल देव के छोटे भाई थे। राहुल ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि बीती रात, नई दिल्ली में उनके भाई मुकुल देव ने अंतिम सांस ली। मुकुल की एक बेटी है, जिसका नाम सिया देव है। मुकुल देव का अंतिम संस्कार 24 मई, शनिवार शाम 5 बजे दयानंद मुक्ति धाम में किया जाएगा।एक्टर मुकेश ऋषि ने बताया, साउथ में मैंने मुकुल के साथ तीन-चार फिल्में की हैं। अक्सर हम दोनों की मुलाकात होती थी। उनके निधन से मुझे काफी दुख पहुंचा। अभी मेरे उनके बड़े भाई राहुल देव से बात हुई। वह बहुत ज्यादा दुखी थे। यह खबर हम सबके लिए काफी दुख देने वाली है।'सन ऑफ सरदार' फिल्म में मुकुल देव के साथ काम कर चुके एक्टर विंदु दारा सिंह ने उनके निधन पर शोक जताया है। उन्होंने बताया कि मुकुल देव पिछले दस दिनों से दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थे और शुक्रवार रात दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। दरअसल, कोविड के बाद वे काफी डरे हुए थे और उनके मन में हमेशा कोविड का डर बना रहता था। हालांकि हमने मुकुल देव को पूरी तरह समझाया था और एक महीने तक उनके साथ एक्सरसाइज भी की थी। जब मुकुल देव हमारे पास आए थे, तब उनका वजन लगभग 125 किलो था, जिसे उन्होंने एक महीने में 120 किलो तक कम कर लिया था और उन्हें फिट करके भेजा था। लेकिन वापसी के बाद वे फिर से अपनी पुरानी दिनचर्या पर लौट गए। इसके अलावा विंदु ने एक्स पर मुकुल को श्रद्धांजलि देते हुए उनके साथ एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों हंसी-ठिठोली करते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में लिखा, 'आपकी आत्मा को शांति मिले, मेरे भाई मुकुल देव। आपके साथ बिताया गया समय हमेशा संजोकर रखा जाएगा। 'सन ऑफ सरदार 2' में आपका अंतिम गाना होगा, जिसमें आप दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाते हुए उन्हें हंसी से लोटपोट कर देंगे।'

राशिफल

मेष-: मेष राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह आपके अंदर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ाने का काम करेगा। पुराने संकोचों को पीछे छोड़कर आप निर्णय लेने की दिशा में अग्रसर होंगे। कार्यक्षेत्र में शुरुआती दिनों में हल्का दबाव महसूस हो सकता ह।

वृष-:वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह संयम, संतुलन और आर्थिक स्थिरता का संकेत देता है। सप्ताह की शुरुआत में कोई रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है या किसी पुराने निवेश से लाभ की संभावना बन रही है। नौकरी या व्यापार से जुड़े लोग अपने क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ेंगे।

मिथुन-:इस सप्ताह मिथुन राशि के जातकों को मानसिक रूप से कई प्रकार की उलझनों और विचारों की टकराहट का सामना करना पड़ सकता है। आपको हर निर्णय सोच-समझकर लेना होगा क्योंकि छोटी सी गलती बड़े परिणाम ला सकती है।

कर्क-:कर्क राशि के लोगों के इस सप्ताह भावनात्मक रूप से आप थोड़े संवेदनशील रह सकते हैं, लेकिन यही संवेदनशीलता आपको अपनों के और करीब ले आएगी। पारिवारिक माहौल मधुर रहेगा और किसी पुराने मतभेद का अंत हो सकता है।

सिंह-:सिंह राशि के लोगों का आत्मविश्वास इस सप्ताह काफी उच्च रहने वाला है। इस हफ्ते आपके जीवन को एक नई दिशा देगा। आप नेतृत्व की भूमिका में होंगे और आपके विचारों को लोग सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं ।

कन्या-:कन्या राशि यह सप्ताह योजना, अनुशासन और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता का है। आप किसी पुराने प्रोजेक्ट को फिर से शुरू कर सकते हैं और इस बार सफलता आपके कदम चूमेगी। जॉब में बदलाव या प्रमोशन के संकेत हैं, लेकिन निर्णय सोच समझकर लें।

तुला-: सप्ताह की शुरुआत संतुलन और सौंदर्य से होगी। आप अपने निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे। ऑफिस में काम का बोझ थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से स्थिति नियंत्रण में रहेगी।

वृश्चिक-: वृश्चिक राशि के लोगों का इस सप्ताह आत्मबल बढ़ेगा और आप जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए तैयार रहेंगे। करियर में नई संभावनाएं उभरेंगी, लेकिन कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह औसत है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण ज़रूरी है।

धनु-:धनु राशि के जातक कार्यक्षेत्र में नए अवसरों की तलाश में रहेंगे और जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आर्थिक रूप से स्थिति बेहतर होगी, लेकिन किसी पर अधिक भरोसा न करें। पारिवारिक जीवन में मिलजुलकर समय बिताना लाभकारी रहेगा।

मकर-: मकर राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह किसी पुरुस्कार से कम साबित नहीं होगा। इस हफ्ते आपकी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा को सराहा जाएगा। आप जिस भी कार्य में लगेंगे, उसमें सफलता की संभावना प्रबल है।

कुंभ-: कुंभ राशिवालों के लिए यह सप्ताह आपके विचारों में नवीनता रहेगी और आप कुछ नया सीखने या करने की प्रेरणा महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में नई तकनीक या ट्रेनिंग से जुड़ सकते हैं जो भविष्य में फायदेमंद होगी।

मीन-: मीन राशि के लोगों को इस सप्ताह भावनात्मक और आत्मिक स्तर पर गहराई का अनुभव करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा और आप सभी के साथ सहयोग से कार्य करेंगे। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो शिक्षा या कलात्मक क्षेत्रों में हैं।

शुभमन गिल बने भारत के नए टेस्ट कप्तान, संभालेंगे रोहित शर्मा की विरासत, जसप्रीत बुमराह देखते रह गए

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान को लेकर ऐलान कर दिया है। टीम इंडिया की सिलेक्शन कमिटी के चीफ और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अजीत अगरकर ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेते हुए शुभमन गिल को भारत का नया कप्तान घोषित किया। कप्तानी की दौड़ में जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और ऋषभ पंत भी थे, लेकिन टीम मैनेजमेंट, हेड कोच और सिलेक्टर्स ने इस युवा पर भरोसा जताया है। वह रोहित शर्मा की शानदार विरासत को इंग्लैंड में संभालते नजर आएंगे। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत 20 जून से लीड्स क्रिकेट स्टेडियम में होगी। लगभग साढ़े 12 बजे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया, भारतीय टीम के सिलेक्टर्स अजय रात्रा, सुब्रत बनर्जी और अजीत अगरकर मीटिंग के लिए पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट को अचानक से अलिवदा कहा था। माना जा रहा था कि वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में खेलेंगे, लेकिन उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक मेसेज लिखा और अपना फैसला सुना दिया। इसके कुछ ही दिन बाद विराट कोहली ने भी रिटायरमेंट का फैसला किया तो लोग हैरान रह गए।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीमः- ऋषभ पंत (उपकप्तान),शुभमन गिल (कप्तान),यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यू ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी,रविंद्र जडेजा,ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज,प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह,आकाश दीप,कुलदीप यादव।

भारत/इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का शेड्यूलः- 13 जूनः बेकेनहम में भारत बनाम इंडिया-ए, 20 जूनः लीड्स में भारत बनाम इंग्लैंड,2 जुलाईः बर्मिंघम में भारत बनाम इंग्लैंड, 10 जुलाईः लॉर्ड्स में भारत बनाम इंग्लैंड, 23 जुलाईः मैनचेस्टर में भारत बनाम इंग्लैंड,31 जुलाईः द ओवल में भारत बनाम इंग्लैंड,

25 साल के शुभमन बने टेस्ट के 5वें युवा कप्तानःपंत होंगे उप-कप्तान, 8 साल बाद टीम में लौटे करुण नायर; 18 सदस्यीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली। बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ऋषभ पंत उप-कप्तान चुने गए हैं। बीसीसीआई ने शनिवार को मुंबई में हुई मीटिंग में इसका ऐलान किया। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा भी हुई। 20 जून से शुरू हो रहे इंग्लैंड दौरे में भारत को 5 टेस्ट खेलने हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा के रिटायरमेंट के बाद टीम में साई सुदर्शन और करुण नायर को जगह मिली है। वहीं शार्दुल ठाकुर की टीम में वापसी हुई है।25 साल और 258 दिन की उम्र में गिल टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे पहले मंसूर अली खान पटौदी (21 साल, 77 दिन), सचिन तेंदुलकर (23 साल, 169 दिन), कपिल देव (24 साल, 48 दिन) और रवि शास्त्री (25 साल, 229 दिन) हैं।33 साल के करुण नायर 8 साल बाद टेस्ट मैच खेलेंगे। उन्होंने 2017 में आखिरी टेस्ट खेला था। डोमेस्टिक क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत नायर ने टीम में जगह बनाई है। उन्होंने पिछले सीजन 9 रणजी ट्रॉफी मैच में

4 शतक के साथ 863 रन बनाए थे। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी की 8 पारियों में 5 शतक के साथ 779 रन बनाए थे। उनकी शानदार बल्लेबाजी की बदौलत विदर्भ की टीम ने पिछले सीजन रणजी खिताब जीता और विजय हजारे ट्रॉफी की फाइनलिस्ट रही। करुण को पहले ही इंडिया ए टीम में शामिल किया जा चुका है, जो कुछ दिनों में इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।वहीं 23 साल के सुदर्शन आईपीएल-18 के हाईएस्ट रन स्कोरर हैं। वे अब तक 638 रन बना चुके हैं। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच के लिए उन्हें पहले ही इंडिया ए टीम में शामिल किया जा चुका है।तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। शमी पूरी तरह फिट नहीं हैं। बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और सरफराज खान बाहर कर दिए गए हैं। ये दोनों भारत के पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम का हिस्सा थे।

नीरज चोपड़ा के बारे में टिप्पणी करने से बचे अरशद नदीम, इंडिया-पाक विवाद पर कही ये बात

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के नीरज चोपड़ा पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। चोपड़ा को हाल में स्थगित हुए एनसी क्लासिक टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान के इस एथलीट को आमंत्रित करने पर ट्रोल किया गया था।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। नीरज ने पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट को इस हमले से पहले प्रतियोगिता के लिए निमंत्रण दिया था। लेकिन उनकी सोशल मीडिया पर फिर भी काफी आलोचना की गई। नदीम ने यहां मीडिया से कहा, "भारत के साथ चल रहे संघर्ष के कारण मैं नीरज के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।उन्होंने कहा, "मैं एक गांव से हूं और मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि मैं और मेरा परिवार हमेशा अपनी सेना के साथ खड़ा रहेगा। "

चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक में नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने 15 मई को डायमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण से पहले कहा था कि वह और नदीम कभी भी करीबी दोस्त नहीं थे। एनसी क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता का नाम इस भारतीय स्टार के नाम पर रखा गया है जिसे 24 मई को बेंगलुरु में कराया जाना था लेकिन पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष के मद्देनजर इसे स्थगित कर दिया गया था।नदीम ने कहा, "मैंने हमेशा कहा है कि मैं हमेशा खुद से प्रतिस्पर्धा करता हूं और मेरा लक्ष्य एक दिन 100 मीटर का आंकड़ा छूना है। " उन्होंने कहा कि अगर चोपड़ा अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो "यह उनके लिए अच्छा है। " चोपड़ा ने हाल में डायमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में 90.23 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो से 90 मीटर का आकंड़ा पार किया और रजत पदक जीता।

मैंगो खाएं या मैंगो शेक पिएं नहीं बढ़ेगा वजन बस फॉलो कर लें टिप्स और एंजॉय करें समर

नई दिल्ली। गर्मी में आम खाना सबको पसंद है, लेकिन वजन बढ़ने का डर अक्सर इस मीठे फल से दूरी बनवा देता है। सौरभ बोराह के आसान और असरदार टिप्स अपनाकर आप न सिर्फ आम का मजा ले सकते हैं, बल्कि वजन भी कंट्रोल में रख सकते हैं। जानिए कैसे!गर्मियों का असली मज़ा तब है जब सामने कटे हुए रसीले आम हों या ग्लास में ठंडा मैंगो शेक। लेकिन जैसे ही हम पहला कौर लेते हैं, दिमाग में वजन बढ़ने का डर घर कर जाता है। 'आम तो बहुत कैलोरी वाला फल है', 'मैंगो शेक में शुगर होती है'–ऐसी बातें हमें इसका लुत्फ उठाने से रोक देती हैं। लेकिन अब डरने की ज़रूरत नहीं! कुछ ऐसे स्मार्ट टिप्स दिए हैं, जिन्हें फॉलो करके आप बिना पछतावे के आम का मजा ले सकते हैं। चाहे आप डायटिंग कर रहे हों या फिटनेस फॉलो कर रहे हों, ये टिप्स आपको हेल्दी और हैप्पी रखेंगे।इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि आम कब और कैसे खाना चाहिए, मैंगो शेक को हेल्दी कैसे बनाएं, और किन कॉम्बिनेशन से बचना चाहिए। साथ ही, आपको ये भी बताएंगे कि सौरभ बोराह किन आदतों को 'नो' और किन्हें 'गो' कहते हैं। तो आइए, इस समर सीज़न को बनाएं टेस्टी और हेल्दी–बिना किसी गिल्ट के ?आम खाने का सही समय - सुबह या शाम? ये जानना बहुत जरूरी है। आम को दिन के पहले हिस्से में खाना सबसे अच्छा होता है, यानी सुबह के नाश्ते या लंच के समय। इस वक्त शरीर की मेटाबॉलिक रेट हाई होती है और फल से मिली शुगर जल्दी पच जाती है। शाम या रात को आम खाने से शरीर उसे स्टोर करने लगता है, जिससे फैट बढ़ने का खतरा रहता है। तो अगर आप वजन कंट्रोल में रखना चाहते हैं, तो सुबह का वक्त सबसे उपयुक्त है। साथ ही, आम को खाली पेट खाने से बचें–इसे मील के बाद या स्मूदी में शामिल करके लें।मैंगो शेक को अक्सर वजन बढ़ाने वाला माना जाता है, लेकिन कुछ बदलाव इसे हेल्दी बना सकते हैं। सौरभ बोराह की सलाह है कि शेक बनाते समय फुल क्रीम दूध की जगह लो-फैट या प्लांट बेस्ड दूध (जैसे बादाम या ओट्स) का उपयोग करें। साथ ही, शक्कर की जगह खजूर या शहद डालें या बिना मिठास के पीना सीखें। आप इसमें चिया सीड्स या फ्लैक्स सीड्स भी डाल सकते हैं, जो फाइबर और ओमेगा-3 से भरपूर होते हैं। इस तरह बनाया गया मैंगो शेक न सिर्फ स्वादिष्ट होगा, बल्कि न्यूट्रिशन से भरपूर भी रहेगा। बच्चों से लेकर फिटनेस फ्रीक तक, सब इसे एन्जॉय कर सकते हैं।बहुत से लोग आम के साथ दूध, दही, या कोई भी ठंडी चीज़ तुरंत खा लेते हैं, जो सही नहीं है। आम को खाने के बाद ठंडी चीजें लेने से पाचन पर असर पड़ता है और कभी-कभी एलर्जी या एसिडिटी भी हो सकती है। इसी तरह, आम के साथ नमक या मिर्च भी पाचन को धीमा कर सकते हैं। आम खाने के तुरंत बाद पानी पीना भी टालें–कम से कम 30 मिनट का गैप रखें। सही कॉम्बिनेशन से ही आम का असली फायदा मिलता है और शरीर उसे बेहतर तरीके से प्रोसेस कर पाता है।डायबिटिक लोगों को आम से डरने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन उन्हें मात्रा और समय का ध्यान रखना जरूरी है। सौरभ बोराह बताते हैं कि एक दिन में 1-2 स्लाइस या आधा आम खाया जा सकता है, वह भी लंच के समय। अगर मैंगो शेक लेना है, तो बिना शक्कर और कम दूध के साथ लें। वेट वॉचर्स भी अगर कैलोरी ट्रैक करते हैं और दिनभर में बाकी मील्स को बैलेंस करते हैं, तो आम एन्जॉय कर सकते हैं। जरूरी है पोर्शन कंट्रोल और सही टाइमिंग। आम, फाइबर और विटामिन सी से भरपूर होता है–जो सेहत के लिए अच्छा है अगर समझदारी से खाया जाए।गर्मियों में आम का मजा लेने के लिए कुछ सिंपल लेकिन असरदार टिप्स। पहला, हमेशा पके हुए और फ्रेश आम ही खाएं–अधिक पके या केमिकल से पके आम से बचें। दूसरा, आम को खाने से पहले 30 मिनट ठंडे पानी में भिगो दें, जिससे उसमें मौजूद एक्स्ट्रा हीट कम हो जाती है। तीसरा, आम के साथ फाइबर युक्त फूड जैसे मूंगफली, दही या ओट्स शामिल करें जिससे यह धीरे-धीरे डाइजेस्ट हो और ब्लड शुगर स्पाइक न करे। इन छोटी-छोटी बातों से आप आम का भरपूर मजा ले सकते हैं–वो भी बिना वजन बढ़ाए।

शरीर में खून के थक्के क्यों बनने लगते हैं? ब्लड क्लॉटिंग से क्या दिक्कतें होती हैं, यहां जानिए

नई दिल्ली। शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया को थ्रॉम्बोसिस कहा जाता है। यह एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर अत्यधिक खून बहने से बचाती है। लेकिन जब बिना चोट के या गलत जगह पर खून के थक्के बनने लगते हैं, तो यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। हमारे शरीर का मैकेनिज्म ऐसा है कि ये खुद से ही अपनी रक्षा कर सकता है। ये तंत्र लगातार काम करता रहता है, इस तरह से, कि कई बार आपको पता भी नहीं चलता और शरीर कई समस्याओं से मुकाबला करके आपको बड़ी दिक्कतों से बचा लेता है। खून के थक्के बनना (ब्लड क्लॉटिंग) भी ऐसी ही एक स्थिति है जो शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शरीर रक्त के थक्के बनाकर चोट और रक्तस्राव की स्थिति में ज्यादा खून बहने से बचाता है। खून के थक्के बनना अच्छा संकेत है, पर अगर ये थक्के अधिक या बिना किसी कारण के बनने लगें तो इसके गंभीर और जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया को थ्रॉम्बोसिस कहा जाता है। यह एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर अत्यधिक खून बहने से बचाती है। लेकिन जब बिना चोट के या गलत जगह पर खून के थक्के बनने लगते हैं, तो यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के लिए भी अनावश्यक रूप से खून के थक्के बनने को कारण माना जाता है।

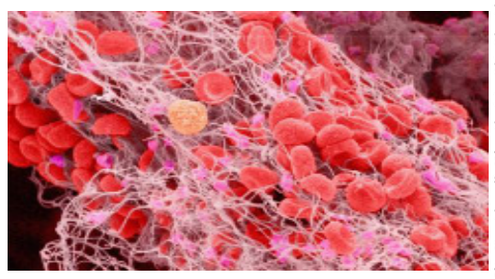

रक्तस्राव की स्थिति में आपका लिवर तुरंत एक्टिव हो जाता है और आपके खून में मौजूद प्लेटलेट्स को चिपकाकर रक्त के थक्के बनाता है और रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है।हालांकि कुछ स्थितियों में शरीर में बिना चोट के भी थक्के बनने लगते हैं जिसके कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। रक्त के थक्के जमने की इस तरह की समस्या खतरनाक हो सकती है, खासकर तब जब इसका समय पर इलाज न मिले।धमनियों में रक्त के थक्के बनने से हृदय तक रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है जिससे हार्ट अटैक-स्ट्रोक हो सकता है।नसों में रक्त के थक्के बनने पर ये रक्तप्रवाह के माध्यम से शरीर के अन्य हिस्सों में भी जा सकते हैं।डीप वेन थ्रोम्बोसिस- आपके पैर, हाथ, लिवर, आंतों या किडनी की नसों में रक्त का थक्का बनने की समस्या है।पल्मोनरी एम्बोलस- आपके फेफड़ों में रक्त का थक्का बनने की समस्या है। धमनियों में रक्त के थक्के बनने की स्थिति स्ट्रोक, दिल का दौरा, पैरों में गंभीर दर्द, चलने में कठिनाई जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।

लंबे समय तक बैठने या लेटे रहने (शारीरिक रूप से निष्क्रिय लोग) से खून का बहाव धीमा हो जाता है, इसके कारण भी खून के थक्के बनने की समस्या हो सकती है। गर्भनिरोधक गोलियां और हार्मोन थेरेपी शरीर में एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ाकर थक्के बनने की आशंका बढ़ा देती हैं।

कोविड-19 केरल से लेकर दिल्ली तक 'कोरोना संकट',क्या आने वाली है एक और लहर, फिर लेनी होगी वैक्सीन?

नई दिल्ली। कोरोनावायरस का बढ़ता संक्रमण एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ाने लगा है। हांगकांग-सिंगापुर के बाद अब भारत में भी संक्रमण के मामलों में उछाल की खबर है। अलग-अलग राज्यों से प्राप्त हो रही जानकारियों के मुताबिक यहां कोरोना फिर से एक्टिव हो गया है। शुक्रवार (23 मई) को दिल्ली सरकार द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक राजधानी में कोरोना के 23 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा गाजियाबाद में चार, गुरुग्राम में तीन और फरीदाबाद में दो संक्रमित पाए गए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने शुक्रवार को स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की। सरकार कोविड के वर्तमान पुष्ट मामलों के सत्यापन की प्रक्रिया में जुटी है। यह पता लगाया जा रहा है कि यह मरीज दिल्ली के हैं या बाहर से यात्रा कर आए हैं? क्या देश में कोरोना की एक और लहर आने वाली है, क्या संक्रमण से बचाव के लिए एक बार फिर से लोगों को वैक्सीन लेनी होगी? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।देश में कोरोना की मौजूदा स्थिति पर नजर डालें तो पता चलता है कि केरल फिलहाल सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। शुक्रवार को हुई एक बैठक के दौरान केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने सभी जिलों से कोविड-19 की निगरानी बढ़ाने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सबसे अधिक प्रभावित राज्य केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र हैं, जहां कुल मिलाकर 85प्रतिशत से अधिक सक्रिय मामले हैं। केरल 95 सक्रिय मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर है, तमिलनाडु में 66 और महाराष्ट्र में 56 हैं। दिल्ली (23), पुडुचेरी (10), कर्नाटक (13), गुजरात (7), राजस्थान (2), हरियाणा (1), सिक्किम (1) और पश्चिम बंगाल (1) शामिल हैं।महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पिछले तीन दिनों में कोविड-19 के 10 मामले सामने आए हैं, अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके बाद नगर निगम प्रशासन ने अस्पतालों से सतर्क रहने को कहा है।ठाणे नगर निगम (टीएमसी) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, रोगियों में हल्के लक्षण देखे जा रहे हैं और उनका घर पर ही इलाज चल रहा है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं का पर्याप्त भंडार है और कोविड-19 टेस्ट किट भी आसानी से उपलब्ध हैं। नगर निगम ने आश्वासन दिया है कि स्थिति नियंत्रण में है, लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।पिछले कुछ दिनों से भारत में कोरोना को लेकर जैसी खबरें सामने आ रही हैं और जिस तरह से कई एशियाई देशों में स्थिति देखी गई है, इसने लोगों को काफी डरा दिया है। लोगों के मन में एक बड़ा सवाल बना हुआ है कि क्या भारत में कोरोना की एक और लहर आने वाली है?पुणे स्थित एक निजी अस्पताल में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर गुजरात में संक्रामक रोग-महामारी विशेषज्ञ डॉ अनीश सिन्हा कहते हैं, फिलहाल इसकी आशंका कम है कि देश में संक्रमण तेजी से बढ़ेगा या फिर इसकी और एक बड़ी लहर आएगी। हालांकि कई एशियाई देशों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए हमें सावधानी जरूर बरतते रहने की आवश्यकता है।

ओमिक्रॉन के जिस जेएन.1 वैरिएंट को बढ़ते संक्रमण के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है, वह भारत में पहले भी देखा जा चुका है। इसकी प्रवृत्ति पहले के वैरिएंट्स की तरह खतरनाक नहीं है।विशेषज्ञ बताते हैं कि समय के साथ वैक्सीन से शरीर में बनी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, जिससे नए म्यूटेटेड वैरिएंट्स से संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है। सार्स-सीओवी-2 वायरस लगातार उत्परिवर्तित हो रहा है, जिससे नए सब-वैरिएंट्स भी सामने आ रहे हैं। ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को चकमा दे सकते हैं। इन नए वैरिएंट्स से बचाव के लिए दुनियाभर में स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को सालाना बूस्टर वैक्सीन लेने की सलाह देते रहे हैं, विशेषतौर पर उच्च जोखिम वाले लोगों जैसे 65 साल से अधिक उम्र वालों को।कोरोना के नए वैरिएंट्स को लक्षित करने और इसके खिलाफ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिकों ने टीकों को अपडेट किया है, जो आपको अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।वैक्सीनेशन के अलावा कोरोना से बचाव के लिए सभी लोगों के लिए कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करना जरूरी है। हाथ की स्वच्छता बनाए रखना, मास्क पहनना और भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना चाहिए। कोरोना भले ही आपको ज्यादा नुकसान न पहुंचाए पर आपके माध्यम से उन लोगों तक जरूर पहुंच सकता है जिनमें संक्रमण के गंभीर रूप लेने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए बचाव को लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

बना रहता है भ्रम और सुनाई देती हैं डरावनी आवाजें, जानिए कितना खतरनाक है सिजोफ्रेनिया

नई दिल्ली। आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती हैं। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को भ्रम बना रहता है। ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है। वर्ल्ड सिजोफ्रेनिया डे बना रहता है भ्रम और सुनाई देती हैं डरावनी आवाजें, जानिए कितना खतरनाक है सिजोफ्रेनिया आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती हैं। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को भ्रम बना रहता है। ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है। मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं दुनियाभर में गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। हम सभी अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर तो ध्यान देते रहते हैं पर मेंटल हेल्थ को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं काफी गंभीर हो सकती हैं? सिजोफ्रेनिया ऐसी ही एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती है। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को वास्तविकता की धारणा में भ्रम होता है। ये व्यक्ति के व्यवहार, मानसिक स्थिति, सोचने-समझने की क्षमती सभी को प्रभावित कर सकती है। विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस हर साल 24 मई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य इस गंभीर मानसिक रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों की सहायता में सुधार करने पर ध्यान देना होता है।कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर आवाज पर शक होता हो, हर चेहरा अजनबी लगता हो और खुद की सोच भी परायी लगने लगती हो। सिजोफ्रेनिया वास्तव में यही है। सिजोफ्रेनिया का आपके शारीरिक और मानसिक दोनों स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है परिणामस्वरूप रोगियों के लिए दैनिक जीवन के कार्य भी काफी कठिन हो जाते हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि सिजोफ्रेनिया बीमारी किसी एक कारण से नहीं होती, बल्कि इसके लिए कई जैविक, आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। अगर परिवार में किसी को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत रही है, तो इससे अन्य लोगों में भी होने की आशंका बढ़ जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि डोपामिन और ग्लूटामेट जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का असंतुलन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बिगाड़ सकता है, इसके कारण भी सिजोफ्रेनिया होने का खतरा बढ़ जाता है।गर्भावस्था या प्रसव के दौरान संक्रमण, ऑक्सीजन की कमी, या पोषण की कमी से दिमागी विकास पर असर पड़ सकता है। बचपन में भावनात्मक आघात, अकेलापन, गरीबी या सामाजिक अलगाव भी सिजोफ्रेनिया को ट्रिगर कर सकती है। सिजोफ्रेनिया आपके जीवन को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। मतिभ्रम होना सिजोफ्रेनिया का सबसे आम लक्षण है। इससे प्रभावित लोगों को भ्रम और डर बना रह सकता है, रोगी उन चीजों को भी वास्तविक मानने लग जाते हैं जो असल में होती ही नहीं हैं। रोगी को ऐसा लग सकता है जैसे कोई मेरा पीछा कर रहा है, मुझे मारने का प्रयास किया जा रहा है आदि। आपको लग सकता है कि कोई आपके सोचने, बोलने या कार्य करने को नियंत्रित कर रहा है। बोलते समय आपको अपने विचारों को व्यवस्थित करने में परेशानी हो सकती है। अक्सर नकारात्मक विचार मन को परेशान करते रह सकते हैं, जिससे जीवन काफी कठिन हो जाता है। सिजोफ्रेनिया हो जाए तो क्या करें? सिजोफ्रेनिया मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति है जिसका समय पर इलाज कराना जरूरी है। अगर आपको घर में किसी व्यक्ति में सिजोफ्रेनिया जैसे लक्षण दिख रहे हैं तो जल्द से जल्द मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के पास ले जाएं।

विराट कोहली, मोहम्मद शमी, हर्षित राणा... अजीत अगरकर के प्रेस कॉन्फ्रेंस की 5 मुख्य बातें

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज का आयोजन जून के महीने में किया जाएगा। इसके लिए भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान कर दिया गया है। टीम इंडिया इस बार अपने सबसे बड़े दो स्टार खिलाड़ी, रोहित शर्मा और विराट कोहली को इस दौरे पर मिस करेगी। इन दोनों खिलाड़ियों ने इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। 24 मई 2025 को भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए किया। ऐसे में आइए जानते हैं कि इन प्रेस कॉन्फ्रेंस की 5 मुख्य बातें क्या हैं।

रोहित शर्मा ने 7 मई को अपने संन्यास का ऐलान किया था। ऐसे में टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के लिए एक कप्तान की जरूरत थी। टीम इंडिया के सेलेक्शन कमेटी ने शुभमन गिल को टीम इंडिया का नया टेस्ट कप्तान बनाया और ऋषभ पंत को उप कप्तान बनाया गया है। बता दें कि शुभमन गिल टीम इंडिया के 37वें कप्तान होने जा रहे हैं। अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को कप्तान बनाए जाने को लेकर बताया कि 'हमने नामों पर चर्चा की है और टीम के सदस्यों से फीडबैक लिया है - जाहिर है कि यह एक दबाव वाला काम है, उम्मीद है कि गिल इसे आगे ले जाएंगे। वहीं पंत को लेकर उन्होंने कहा कि 'पंत उप-कप्तान हैं, हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक - हमेशा कीपर खेल को अच्छी तरह से देख सकता है। यही कारण है कि वह गिल के उप-कप्तान हैं।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली ने भी इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। विराट कोहली ने 12 मई को अपने संन्यास का ऐलान कर दिया था। विराट कोहली के रिटायरमेंट पर बात करते हुए अजीत अगरकर ने कहा कि 'विराट ने अप्रैल की शुरुआत में हमसे संपर्क किया और कहा कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना लिया है।' विराट कोहली टीम इंडिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में 4 नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आते थे। ऐसे यह देखना दिलचस्प होगा कि इस सीरीज के दौरान 4 नंबर पर टीम इंडिया के लिए कौन बल्लेबाजी करने के लिए आता हैं। इस पर अगरकर ने कहा कि यह फैसला टीम इंडिया के नए कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर पर निर्भर करता है।

टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टेस्ट कप्तान बनाए जाने की उम्मीद की जा रही थी। दरअसल रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ही टीम इंडिया की कप्तानी किया करते थे। साल 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान भी शुरुआती दो मैचों में जसप्रीत बुमराह ने ही टीम इंडिया की कप्तानी की थी, लेकिन ऐसा क्या हुआ कि टीम सेलेक्टर्स ने उन्हें कप्तान नहीं बनाया। इस पर अजीत अगरकर ने कहा कि 'मुझे नहीं लगता कि वह सभी पांच टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। चाहे वह चार हो या तीन, हम सीरीज के परिणाम और उनके वर्कलोड मैनेजमेंट के आधार पर देखेंगे। अगर वह 3-4 टेस्ट के लिए भी फिट होते हैं, तो भी वह हमारे लिए एक एसेट होंगे।' ऐसे में यह साफ है कि टीम सेलेक्टर्स उनके फिटनेस पर काफी ध्यान दे रहे हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए जब भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान किया गया। तब उसमें दो ऐसे खिलाड़ी शामिल थे, जो काफी लंबे समय के बाद टीम इंडिया के स्क्वाड में वापसी कर रहे हैं। उसमें पहला नाम शार्दुल ठाकुर का है। वहीं दूसरा नाम करुण नायर है। शार्दुल ठाकुर ने दिसंबर 2023 में ही भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट खेला था। अब वह इंग्लैंड के खिलाफ एक्शन में नजर आएंगे। बात करें करुण नायर के बारे में तो, उन्होंने साल 2017 में भारतीय टीम के लिए कोई टेस्ट मैच खेला था। ऐसे में उनकी वापसी तो काफी समय के बाद हो रही है। करुण नायार ने घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार खेल दिखाया। जिसके कारण सेलेक्टर्स ने उन्हें एक बार फिर से मौका दिया है। वहीं जिन खिलाड़ियों को स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया है, उसमें हर्षित राणा, सरफराज खान और मोहम्मद शमी का नाम शामिल है। शमी चोटिल हैं। वहीं हर्षित राणा और सरफराज खान को ड्रॉप किया गया है।

जब भी किसी दौरे के लिए भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान किया जाता है, तब टीम इंडिया के कप्तान या कोच में से कोई एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में जरूर मौजूद होता है।

लद्दाख सीमा पर चीन के जे-10 और जेएफ-17 फाइटर जेट!, भारत-पाकिस्तान जंग में टेस्ट, बांग्लादेश के बहाने नया खतरा

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद अब एक नया खतरा दस्तक दे रहा है। बताया जा रहा है कि चीन के जे-10 और जेएफ-17 लड़ाकू विमान भारत के लिए पूर्वी सीमा यानी लद्दाख सीमा पर नया खतरा बन सकते हैं। दरअसल, चीन अब पाकिस्तान का इस्तेमाल भारत के खिलाफ अपने हथियारों को 'टेस्ट' करने के लिए कर रहा है। वह बांग्लादेश को भी इसीलिए आगे बढ़ा रहा है। ऐसी खबरें हैं कि चीनी अधिकारी बांग्लादेश में द्वितीय विश्व युद्ध के समय के एक हवाई अड्डे का निरीक्षण कर रहे हैं। यह हवाई अड्डा भारत के 'चिकन नेक' के करीब है। 'चिकन नेक' भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। आइए समझते हैं पूरी कहानी।रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीनी सेना या वायु सेना को बांग्लादेश में किसी एयरबेस का एक्सेस मिल जाता है, तो यह भारत के लिए अच्छा नहीं होगा। इससे भारत के उत्तर पूर्व और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक हितों को खतरा हो सकता है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित हैं। यह चीन के लिए एक महत्वपूर्ण रास्ता है। भारतीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि चीनी सैन्य अधिकारी हाल ही में रंगपुर जिले का दौरा कर चुके हैं। रंगपुर जिला भारतीय सीमा से सिर्फ 20 किलोमीटर और सिलीगुड़ी से 130 किलोमीटर दूर है। सिलीगुड़ी भारत का एक महत्वपूर्ण सैन्य केंद्र है। इस साल जनवरी में, पाकिस्तान के एक बड़े जासूस ने भी रंगपुर जिले का दौरा किया था।बांग्लादेश ने चीन को लामोनिरहाट एयरबेस विकसित करने के लिए आमंत्रित किया है। अब, असम ट्रिब्यून ने भारतीय एजेंसियों के हवाले से कहा है कि चीनी अधिकारी लामोनिरहाट में द्वितीय विश्व युद्ध के समय के एयर बेस में रुचि रखते हैं। ढाका ने इस एयरबेस को फिर से चालू करने के लिए चीन से मदद मांगी है। यह प्रोजेक्ट मार्च 2025 में शुरू किया गया था। कभी लामोनिरहाट एशिया के सबसे बड़े हवाई क्षेत्रों में से एक था। इसे 1931 में एक सैन्य एयरबेस के रूप में बनाया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, मित्र देशों की सेनाओं ने यहां से बर्मा और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में मिशन चलाए थे।भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में आठ राज्य (असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर और सिक्किम) शामिल हैं। इनमें से त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम की सीमाएं बांग्लादेश से लगती हैं। ये राज्य 22 किलोमीटर चौड़े सिलीगुड़ी कॉरिडोर (जिसे 'चिकन नेक' के नाम से जाना जाता है) के माध्यम से भारत से जुड़े हुए हैं। यह सिलीगुड़ी कॉरिडोर तीन देशों से घिरा हुआ है- नेपाल, भूटान और बांग्लादेश।यूरेशियन टाइम्स ने लेफ्टिनेंट जनरल अनिल आहूजा (रिटायर्ड) के हवाले से बताया है कि अगर बांग्लादेश ईंईइ या ईंइ को एक्सेस देता है, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। चीनी सेना की वहां पर मौजूदगी समंदर तक असर डालेगी और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह पर भी असर पड़ेगा। इससे चीन हमारे अधिकांश उत्तर पूर्व तक पहुंच सकता है। इससे भारत की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। बंगाल की खाड़ी पर हमारी पकड़ कमजोर हो सकती है।स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2019 और 2023 के बीच पाकिस्तान के हथियारों के आयात में चीन की हिस्सेदारी लगभग 82 प्रतिशत थी। भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में पहली बार कई तरह के चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। हाल के भारत-पाक सैन्य संघर्ष में इस्लामाबाद ने नए चीनी-निर्मित जे-10सी और जेएफ-17 लड़ाकू विमानों पर बहुत भरोसा किया। पाकिस्तान के पास

हम भूख से मर जाएंगे...ये वॉटर बम है, सिंधु जल संधि के रुकने से 'पानी-पानी' कर रहा पाक

पहलगाम। आतंकी हमले के मद्देनजर भारत द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित किए जाने के फैसले को लेकर पाकिस्तानी सीनेटर सैयद अली जफर ने शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार से वॉटर बम को निष्क्रिय करने का आग्रह किया है। सीनेट को संबोधित करते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सीनेटर ने कहा कि अगर हम अभी पानी के संकट को हल नहीं करते हैं, तो हम भूख से मर सकते हैं। उन्होंने सिंधु बेसिन को पाकिस्तान की जीवन रेखा बताते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा खपत किए जाने वाले पानी का तीन-चौथाई हिस्सा बाहर से आता है। हर दस लोगों में से नौ लोग अंतरराष्ट्रीय सीमा बेसिन पर रहते हैं।सीनेटर जफर ने आंकड़ों का भी हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान में 90 प्रतिशत फसलें आईडब्ल्यूटी के कारण पाकिस्तान को मिलने वाले पानी पर निर्भर हैं, क्योंकि उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सभी बिजली परियोजनाएं और बांध इसी पानी पर बने हैं।

भारत जाना चाहते हैं तो जाएं, लेकिन अमेरिका में शुल्क बिना बिक्री नहीं होगी, ट्रंप ने एप्पल से कहा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि एप्पल यदि अमेरिका में बेचे जाने वाले एप्पल आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में

भारत में संयंत्र लगाना चाहता है तो ठीक है लेकिन ऐसा करने पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र की यह कंपनी बिना शुल्क के अमेरिका में अपने उत्पाद नहीं बेच पाएगी।ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उन्होंने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अपने कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा ''...लेकिन टिम (कुक) के साथ मेरी सहमति थी कि वह ऐसा नहीं करेंगे।उन्होंने कहा कि वह संयंत्र बनाने के लिए भारत जा रहे हैं। मैंने कहा, ''भारत जाना है, तो ठीक है लेकिन आप शुल्क के बिना यहां बिक्री नहीं कर पाएंगे'' और ऐसा ही है।'' उन्होंने कहा, ''हम आईफोन के बारे में बात कर रहे हैं। अगर वे इसे अमेरिका में बेचना चाहते हैं तो मैं चाहता हूं कि इसे अमेरिका में ही बनाया जाए।''ट्रंप ने इससे पहले शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ही किया जाएगा, न कि ''भारत या किसी अन्य स्थान पर।''उन्होंने धमकी दी कि अगर कंपनी इसका पालन नहीं करती है तो वह उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। ट्रंप ने लिखा, 'मैंने बहुत पहले ही एप्पल के टिम कुक को बता दिया था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले उनके आईफोन का विनिर्माण यहीं किया जाएगा, न कि भारत में या किसी अन्य स्थान पर। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एप्पल को अमेरिका को कम से कम 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा।'पिछले सप्ताह ही ट्रंप ने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के दौरान दोहा में कहा था कि उन्होंने एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) से कहा है कि वह भारत में निर्माण न करें, बल्कि अमेरिका में अपनी विनिर्माण क्षमता विकसित करें। टिम कुक के नेतृत्व वाली एप्पल कंपनी आईफोन विनिर्माण को चीन से भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है।

'अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता, तो पाकिस्तान उसका हैंडलर', जापान में बोले टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे जो आतंकी संगठन टीआरएफ है, वह लश्कर ए तैयबा का छद्म संगठन है और लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान ने लश्कर ए तैयबा को आतंकी संगठनों की सूची से निकालने की कोशिश की थी।सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश दौरे पर गए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को जापान में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है तो पाकिस्तान उसका हैंडलर है। भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों के दौरे पर भेजे हैं। इनका उद्देश्य सीमापार आतंकवाद पर पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब करना है। जदयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अपने दौरे के पहले पड़ाव पर जापान पहुंचा था, जहां शनिवार को इस प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान टीएमसी सांसद ने कहा कि 'हम डरने वाले नहीं हैं और अब हमने वो भाषा सीख ली है, जिससे पाकिस्तान समझता है। अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है तो पाकिस्तान उसका हैंडलर है। पूरी दुनिया को इस हैंडलर से निपटने के लिए एकजुट होना होगा, वरना यह और पागल कुत्तों को जन्म देता रहेगा।'अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे जो आतंकी संगठन टीआरएफ है, वह लश्कर ए तैयबा का छद्म संगठन है और लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान ने लश्कर ए तैयबा को आतंकी संगठनों की सूची से निकालने की कोशिश की थी। भारत के हवाई हमलों के बाद जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें हमले में मारे गए आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी दिखाई दिए। तस्वीरें झूठ नहीं बोलती हैं और अब यह खुलकर सामने आ चुका है। टीएमसी सांसद ने भारतीय समुदाय के लोगों से अपील की कि वे आतंकवाद के मुद्दे पर जागरुकता बढ़ाएं।

अफगानिस्तान में एक हफ्ते के भीतर चौथा भूकंप, 4.5 की तीव्रता के झटकों से हिली धरती, दहशत

काबुल। अफगानिस्तान में शनिवार को एक बार फिर से भूकंप

के तेज झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि शनिवार को आए भूकंप के झटकों की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई है। अफगानिस्तान में बीते एक हफ्ते में आया यह चौथा भूकंप है। इससे पहले 17, 18 और 19 मई को भी भूकंप आया था। इसके बाद 24 मई को एक बार फिर भूकंप के झटके आए हैं। अफगानिस्तान भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में यहां लगातार भूकंप आते रहते हैं। एनसीएस ने बताया है कि अफगानिस्तान में शनिवार को आए भूकंप की तीव्रता 4.5 और केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले 19 मई को 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था। 18 मई को भी 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था। यह भूकंप 150 किलोमीटर की गहराई पर आया था। इससे पहले 17 मई को 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था।अफगानिस्तान में भूकंप आते रहते हैं क्योंकि यह हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला एक भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है। अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों के बीच स्थित है। यहां कई फॉल्ट लाइनें हैं। एक फॉल्ट लाइन हेरात से होकर गुजरती है और इन प्लेटों के टकराने से भूकंप आते हैं। यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमैनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक, अफगानिस्तान का क्षेत्र बाढ़, भूस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिए संवेदनशील है।शुक्रवार को नेपाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। शुक्रवार तड़के नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप से किसी के हताहत होने या बड़ी क्षति की सूचना नहीं है। इंडोनेशिया में भी शुक्रवार को भूकंप आया है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने शुक्रवार को बताया कि इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

100 नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल स्टॉफ को प्रशासनिक अवकाश पर भेजा गया, ट्रंप प्रशासन का नया फैसला

नई दिल्ली। सीएनएन ने पहले बताया था कि आने वाले दिनों में राष्ट्रपति की विदेश नीति के एजेंडे के समन्वय के लिए जिम्मेदार निकाय में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, जिसमें कर्मचारियों की कटौती और निर्णय लेने की प्रक्रिया को उच्चतम स्तरों पर केंद्रित करते हुए एक मजबूत टॉप-डाउन दृष्टिकोण शामिल है। प्रशासन के एक अधिकारी के अनुसार, एनएससी के चीफ ऑफ स्टाफ ब्रायन मैककॉर्मैक का एक ईमेल शाम 4:20 बजे के आसपास भेजा गया, जिसमें बर्खास्त किए जा रहे लोगों को अपने डेस्क साफ करने के लिए 30 मिनट का समय दिया गया।ईमेल की विषय पंक्ति में लिखा था: आपकी घर वापसी एजेंसी, यह दर्शाता है कि प्रभावित होने वाले अधिकांश लोगों को अन्य विभागों और एजेंसियों से एनएससी को विस्तृत जानकारी दी गई थी। गुरुवार को, रुबियो ने प्रिंसिपलों के साथ एक बैठक बुलाई, जिससे अटकलें लगाई गईं कि यह पुनर्गठन

परमाणु मुद्दे पर फिर करीब आए ईरान अमेरिका, रोम में हुई पांचवें दौर की बातचीत

नई दिल्ली। ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों ने रोम में पांचवें दौर की वार्ता पूरी की और तेहरान की ने निकट भविष्य में फिर से मिलने पर सहमति जताई। हम अपने ओमानी भागीदारों के उनके निरंतर सहयोग

परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर दशकों से चल रहे विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से वार्ता में कुछ सीमित प्रगति के संकेत मिले। ईरान के यूरेनियम संवर्धन पर वार्ता से पहले वाशिंगटन और तेहरान दोनों ने सार्वजनिक रूप से कड़ा रुख अपनाया, लेकिन ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराक्ची ने कहा कि वार्ता के दौरान ओमान द्वारा कई प्रस्ताव रखे जाने के बाद प्रगति की संभावना है। अराकची ने सरकारी टीवी से कहा कि हमने अभी-अभी बातचीत के सबसे पेशेवर दौर में से एक पूरा किया है। हमने ईरान की स्थिति को मजबूती से बताया है। मेरे विचार से, यह तथ्य कि हम अब एक उचित रास्ते पर हैं, अपने आप में प्रगति का संकेत है।प्रस्तावों और समाधानों की संबंधित राजधानियों में समीक्षा की जाएगी और अगले दौर की वार्ता तदनुसार निर्धारित की जाएगी। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि वार्ता दो घंटे से अधिक समय तक चली और ओमानी मध्यस्थों के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से हुई। बातचीत रचनात्मक बनी हुई है - हमने और प्रगति की है, लेकिन अभी भी काम किया जाना बाकी है। दोनों पक्षों के लिए आभारी हैं। दोनों पक्षों के लिए दांव ऊंचे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तेहरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को कम करना चाहते हैं, जिससे क्षेत्रीय परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हो सकती है और शायद इजरायल को भी खतरा हो सकता है। इस्लामिक रिपब्लिक, अपनी ओर से अपनी तेल आधारित अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रतिबंधों से छुटकारा पाना चाहता है।ओमानी विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने एक्स पर कहा कि अराक्ची और ट्रम्प के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ के बीच वार्ता निर्णायक प्रगति के साथ समाप्त हुई थी। वार्ता से पहले, अराक्ची ने एक्स पर लिखा कि शून्य परमाणु हथियार, हमारे पास एक समझौता है। शून्य संवर्धन, हमारे पास कोई समझौता नहीं है। निर्णय लेने का समय आ गया है। शेष बाधाओं में तेहरान द्वारा अपने उच्च संवर्धित यूरेनियम के पूरे भंडार को विदेश भेजने से इनकार करना शामिल है - जो परमाणु बमों के लिए संभावित कच्चा माल है - या अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर चर्चा में शामिल होना।

क्रिप्टो करेंसी पार्टी या चीन के साथ एक बड़ी डील, ट्रंप अमेरिका से कुछ छिपा रहे हैं?

नई दिल्ली। इस डिनर पार्टी में ट्रंप के क्रिप्टो करेंसी में सबसे ज्यादा निवेश करने वाले 220 लोगों को बुलाया गया था। इसमें से टॉप 25 लोगों को पहले अलग से ट्रंप के साथ बैठने और चर्चा करने का मौका दिया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक फेमस लाइन है I've been making deals all my life यानी मैं जीवनभर सौदे करता रहा हूं। कहते हैं राष्ट्रपति बनने के बाद कारोबारी हो या नेता कुछ प्रोटोकॉल को फॉलो करते हैं। लेकिन ट्रंप शायद हमेशा डील की खोज में ही रहते हैं। इसलिए बीती रात को ट्रंप ने अमेरिका में एक क्रिप्टो करेंसी की पार्टी की। 23 मई को बिटक्वाइन पिज्जा दिवस था और ट्रंप ने इस दिन को भी डील में बदल दिया। इस पार्टी के जरिए उन्होंने अपने क्रिप्टो करेंसी ट्रंप मेमेक्वाइन में 1258 करोड़ रुपए का निवेश करवाया। कभी हावर्ड तो कभी एप्पल से विवाद करने वाले ट्रंप इस पार्टी के बाद खुद विवादों में आ चुके हैं। इस डिनर पार्टी में ट्रंप के क्रिप्टो करेंसी में सबसे ज्यादा निवेश करने वाले 220 लोगों को बुलाया गया था। इसमें से टॉप 25 लोगों को पहले

अलग से ट्रंप के साथ बैठने और चर्चा करने का मौका दिया गया। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि ट्रंप की इस पार्टी में जस्टिन सन नामक चीन का एक नागरिक भी शामिल हुआ था। जस्टिन सन ने इससे जुड़ा वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जस्टिन सन ने ट्रंप से जुड़े क्रिप्टो करेंसी में कुल 790 करोड़ निवेश किया है। पूरी दुनिया से गिफ्ट लेने वाले ट्रंप ने इस पार्टी में जस्टिस सन जैसे सबसे बड़े चार निवेशकों को एक-एक लाख डॉलर की घड़ी भी गिफ्ट की। हालांकि ट्रंप को पता है कि जो पैसे गिफ्ट में गिए गए हैं, उससे ज्यादा पैसा वो डील में कमा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपने क्रिप्टो निवेशकों के लिए आयोजित एक विशेष डिनर के दौरान वर्जीनिया के स्टर्लिंग में ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के बाहर प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली। डिनर में उपस्थित लोगों में चीनी मूल के अरबपति जस्टिन सन भी शामिल थे, जिन्होंने अंदर से फुटेज को एक्स पर पोस्ट किया। दावा किया जा रहा कि इस पार्टी में आए 220 लोगों में से आधे से ज्यादा अमेरिकी नागरिक नहीं थे। इसीलिए जब अमेरिका में ट्रंप की क्रिप्टो करेंसी वाली पार्टी हो रही थी उस दौरान सैकड़ों लोग बाहर इस पार्टी का विरोध कर रहे थे। लोगों ने अमेरिका इज नॉट फॉर से। क्रिप्टो भ्रष्टाचार बंद करो। गेस्ट लिस्ट जारी करो। जैसे नारे लगाकर ट्रंप की क्रिप्टो डील पार्टी का विरोध किया।

डेलिगेशन में शामिल कांग्रेसी दिग्गज ने जापान यात्रा को बताया शानदार, आतंकवाद के खिलाफ भारत को पूर्ण समर्थन

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के स्टैंड पर जापान से मिली प्रतिक्रिया पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवाद विरोधी रुख को जापान का पूरा समर्थन मिला है। जेडी(यु) सांसद संजय झा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जापान गया है। सलमान खुर्शीद भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि यह दौरा बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा, 'यह बहुत संतोषजनक और एक शानदार यात्रा रही। हमें बहुत प्रोत्साहन मिला कि भारत के आतंकवाद पर रुख को वहां सहज समर्थन मिला। यहां आतंकवाद के किसी भी रूप के खिलाफ पूरी सहमति है, और पहलगाम में जो नुकसान हुआ, उसके लिए विशेष संवेदना व्यक्त की गई।'इस प्रतिनिधिमंडल में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्य शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल जापान में भारतीय समुदाय के साथ मिलकर आतंकवाद के खतरे के बारे में जागरूकता

फैला रहा है। कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि जापान ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकों के दौरान आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन किया। सलमान खुर्शीद ने आगे कहा, 'हमने ऑपरेशन सिंदूर को निलंबित कर दिया है, लेकिन हमने भविष्य के लिए कुछ संदेश दिए हैं। जापान जैसे देशों को हर तरह से हमारा समर्थन करना महत्वपूर्ण होगा। जापान का दिमाग खुला था, और वह आतंकवाद पर हमारे रुख का समर्थन कर रहा था। हमने बहुत ठोस सबूत पेश किए जो उपलब्ध हैं।'खुर्शीद ने जापान के साथ मजबूत संबंधों की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक और राजनीतिक रूप से जुड़ने के लिए यह जरूरी है। खुर्शीद ने कहा, 'जब भारत और पाकिस्तान के बीच चुनने की बात आती है, तो जापान के साथ हमारे मजबूत संबंध मायने रखते हैं। यह उनके साथ हमारे आर्थिक जुड़ाव और उनके साथ हमारे राजनीतिक जुड़ाव के मामले में मायने रखता है। इसलिए हम यहां एक बड़े फायदे पर खड़े हैं, लेकिन हमें उस फायदे को निष्कर्ष तक ले जाने की जरूरत है।' खुर्शीद, संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अभी जापान में है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के वैश्विक प्रयासों के तहत अन्य पूर्वी एशियाई देशों का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल, प्रधान बरुआ, हेमंग जोशी, सीपीआई-एम् जॉन ब्रिटास, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी और राजदूत मोहन कुमार शामिल हैं।

पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारतीय हमले में हुए तबाह? रेडिएशन लीक होने की खबरों पर अब आया पड़ोसी देश का बयान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारत की सैन्य कार्रवाई के बाद, पूर्व पाकिस्तानी मंत्री फवाद चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा था, जिसमें दावा किया जा रहा था कि परमाणु विकिरण के कारण चौधरी बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गये थे। न्यूज ने इस दावे की जांच की और पाया कि यह दावा झूठा था लेकिन ये खबरे काफी ज्यादा फैल गयी थी कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत द्वारा किए गये हमले में नष्ट हो गये हैं। अब पाकिस्तान ने भी इस पर अपनी सफाई जारी कर दी है।पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि उसकी कमान और नियंत्रण संरचना मजबूत है। विदेश कार्यालय ने यह भी कहा कि देश अपनी ''परमाणु संरचना की सुरक्षा'' को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बारे में मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों की सुरक्षा और अपने कमान तथा नियंत्रण ढांचे की मजबूती को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है।''विदेश कार्यालय ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के परमाणु शस्त्रागार के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए और आरोप लगाया कि ''भारत के राजनीतिक परिदृश्य, मीडिया और उसके समाज के कुछ हिस्सों में बढ़ती कट्टरता, वैध परमाणु सुरक्षा चिंताओं को जन्म देती है।'' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को श्रीनगर में कहा था कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लाया जाना चाहिए।

चीन के सबसे बड़े दुश्मन ने मांग लिया पीएल-15 मिसाइल का मलबा, भारत ने सौंपा तो ड्रैगन हो जाएगा आग बबूला, जानें वजह

ताइपे। भारत ने पाकिस्तान के

खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी PL-15 beyond-visual-range एयर टू एयर मिसाइल को इंटरसेप्ट कर लिया था। जिसके बाद कई देशों ने चीनी मिसाइल की जांच के लिए भारत से उसका मलबा देने की मांग की है। अब चीन का सबसे बड़ा दुश्मन ताइवान, जो हमेशा चीनी हमलों की डर में जीता है, वो भी इस मिसाइल की जांच की मांग में शामिल हो गया है। माना जाता है कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अपने जेएफ-17 या जे-10सी फाइटर जेट से चीनी लॉन्ग रेंज मिसाइल को भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया था, जो अपने निशाने से चूक गया और भारत ने उसे करीब करीब सही सलामत बरामद कर सिया। लिहाजा अब ताइवान की कोशिश चीन के इस सबसे खतरनाक मिसाइल की खुफियां जांच करने की है, ताकि वो भविष्य के खतरों से पहले ही तैयार हो सके।माना जाता है की पीएल-15 लॉन्ग रेंज मिसाइल को चीन ने अपने स्टील्थ फाइटर जेट जे-20 में भी इंटीग्रेट कर रखा है। इसके अलावा चीन ने अपने जे-10सी फाइटर जेट में भी इस मिसाइल को लगा रखा है। चीन के ये दोनों फाइटर जेट अकसर ताइवान स्ट्रेट में देखे जाते हैं। लिहाजा ताइवान अब इस मिसाइल को लेकर स्ट्रैटजी बनाना चाहता है। वो इस मिसाइल की कमजोरियों को समझना चाहता है, ताकि जवाबी रणनीति को तैयार किया जा सके।

आ गया मानसून, 8 दिन पहले ही पहुंचा केरल, 16 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। मानसून ने दस्तक दे दी है। आठ दिन पहले ही केरल पहुंचे दक्षिण-पश्चिम मानसून के चलते वहां जबरदस्त बारिश हो रही है। वैसे मानसून की सामान्य तारीख 1 जून है। लेकिन इस बार पूरे 8 दिन पहले (24 मई) ही मानसून केरल में दस्तक दे चुका है। मौसम विभाग ने खुद इसकी जानकारी साझा की है। बता दें कि 16 साल में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब मानसून इतनी जल्दी आ रहा है।इस मानसून ने समय से इतने पहले आकर सबको चौंका दिया है। मौसम विभाग ने पहले 27 मई के आसपास मानसून के केरल में पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन मानसून 3 दिन और पहले आ गया।पुरानी लिस्ट से पता चलता है कि मानसून कुछ सालों (जैसे 2018, 2022 और 2024) में जल्दी आया है। इसके अलावा 2015, 2016 और 2019 में देरी से आया है। देश भर में खरीफ फसल चक्र और जल भंडारण स्तरों पर सीधे प्रभाव के कारण मौसम वैज्ञानिक, किसान और नीति निर्माता इन बदलावों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। भारत में इस बार मानसून जल्दी पहुंचने की मुख्य वजह अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बढ़ी हुई नमी है। समुद्र का तापमान सामान्य से ज्यादा रहा, जिससे मानसूनी हवाएं तेजी से सक्रिय हुईं। पश्चिमी हवाओं और चक्रवातों की हलचल ने भी मानसून को आगे बढ़ने में मदद की। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन भी मौसम के पैटर्न में बदलाव की एक बड़ी वजह बन रहा है। मानसून का जल्दी आना यह नहीं तय करता कि वह जल्दी खत्म भी हो जाएगा। यह मौसम से जुड़ी कई जटिल प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जैसे कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री तापमान, हवा का दबाव और वैश्विक मौसम पैटर्न। अगर मानसून समय से पहले आ जाए, लेकिन उसकी गति अच्छी बनी रहे, तो वह पूरे देश में सामान्य या अच्छी बारिश दे सकता है, लेकिन अगर मानसून जल्दी आकर धीरे पड़ जाए या कमजोर हो जाए, तो कुल मिलाकर कम बारिश हो सकती है।

दुनिया के सबसे रहस्यमयी विमान ने क्यों भरी उड़ान, किस मिशन पर आर.ए.टी-55 एयरक्राफ्ट किस हथियार का टेस्ट कर रहा युएस?

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे सीक्रेट

एयरक्राफ्ट एंटी-43ए/737-200, जिसे आरएटी-55 भी कहा जाता है, उसने बेहद दुर्लभ उड़ान भरी है। ये एयरक्राफ्ट यूएस एयरफोर्स मैटेरियल कमांड का सबसे सीक्रेट विमान है, जिसे संशोधित रडार क्रॉस-सेक्शन मापन प्लेटफॉर्म में बदल दिया गया था, उसने एक बेहद दुर्लभ उड़ान भरी है। अपनी यात्रा के दौरान इसने दो स्टॉप किए। एक अर्कांसस में और दूसरा टेक्सास में। इस दौरान धरती के सबसे रहस्यमयी विमान के सबसे आकर्षक 737 के अपने काम के बारे में बहुत ही दुर्लभ नजदीकी जानकारी देखने को मिले। आपको बता दें कि 'आरएटी55', जिसे आधिकारिक रूप से एंटी -43ए कहा जाता है, वो अमेरिका की वायु सेना का एक अत्यंत गोपनीय और विशेष रूप से संशोधित बोइंग 737-200 विमान है। इसका मुख्य मकसद स्टील्थ टेक्नोलॉजी का टेस्ट करना होता है, जिससे यह अमेरिका की रक्षा क्षमताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आरएटी55 टेक्सास के अमरिलो में रिक हसबैंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दोपहर 2:40 बजे उतरा था और 3:40 बजे फिर से रवाना हो गया। इसे टेनोपा टेस्ट रेंज एयरपोर्ट पर वापस जाने की अनुमति दी गई। जेसन ज़िकर, जिन्होंने दुनिया के सबसे रहस्यमयी एयरक्राफ्ट को फोटो खींचा और वीडियो बनाया, उन्होंने द वॉर जोन की एक रिपोर्ट में कहा है कि 'उन्हें एक साथी विमान स्पॉटर द्वारा आरएटी55 के आगमन के बारे में बताया गया था।' उन्होंने कहा कि 'जहां तक मुझे पता है, यह सिर्फ गैस के लिए था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोर श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.

1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008

(उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक-डा. दीपक अरोरा

मो 0 न0 09415608783

RNI No. UPHIN/2012/41154

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।